www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 216 || लखनऊ
शनिवार
07 नवंबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:20
सूर्यास्तः 05:20
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 17°00

पेज 07

विशेष समाचार
दीपावली बने विकसित एवं ... >> पेज 04
आगरा नगर निगम की बैठक... >> पेज 06
ऐश्वर्या-अभिषेक हाथों में हाथ थामे ...

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ा, सरकार ने नए प्रतिबंध लागू किए

कंस्ट्रक्शन-तोड़फोड़ पर रोक, ओडिशा में लैंडस्लाइड से 7 की मौत, 6 लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली से पहले हवा की गुणवत्ता खराब होने पर दिल्ली-NCR में GRAP-III लागू किया गया है। यानी नया कंस्ट्रक्शन, तोड़फोड़, खुदाई, प्लास्टर, टाइल्स का काम, ये सब बंद रहेगा। BS-4 या उससे नीचे के मानक वाले डीजल वाहन और BS-3 या उससे नीचे के मानक वाले पेट्रोल वाहन नहीं चल सकेंगे। साथ ही पांचवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में हाइब्रिड मोड (ऑनला-इन और ऑफलाइन) में पढ़ाई होगी। ये पाबंदियां नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में भी लागू होंगी। यूपी में ठंड बढ़ने लगी है।

शुक्रवार सुबह लखनऊ, बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती और संभल समेत 20 शहरों में कोहरा छाया रहा। मिर्जापुर में कोहरे के चलते 5 ट्रेनें अगले 3 महीने के लिए कैंसिल कर दी गईं। ओडिशा के गंजाम जिले के पहाड़ी गांव में गुरुवार को लैंडस्लाइड के बाद 5 और शव मिले।

इसके साथ ही मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। हादसे के बाद से 6 लोग अब भी लापता हैं। ये लोग 28 अक्टूबर को आए चक्रवात अर्नब के बाद हुई लैंडस्लाइड में दब गए थे।

तीसरी बार सरकार में आएंगे तब बांटेंगे, 4543 दरोगा को जॉइनिंग लेटर दिए

इस बार कुछ नियुक्ति पत्र रोक लेंगे : योगी

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने शुक्रवार को कहा- भाजपा सरकार में अब तक 9.50 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख और नौकरियों का वादा भी जल्द पूरा होने वाला है, लेकिन इस बार कुछ नियुक्ति पत्र रोक लेंगे। उन्हें तीसरी बार सरकार बनने पर बांटेंगे। सीएम ने लखनऊ में दरोगा पद पर चुने गए 4,543 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। उन्होंने पूछा- क्या किसी को रिश्वत देनी पड़ी या सिफारिश लगानी पड़ी? उन्होंने कहा कि अब यूपी में लेन-देन या धौंस से नौकरी मिलना संभव नहीं है। योगी ने कहा- मैंने 2012 से 2017 और 2003 से 2017 के बीच का दौर भी देखा है। उस दौरान कई ऐसी नियुक्तियां हुईं, जिनमें आवेदक कोई और था और नियुक्ति पत्र किसी और को दे दिया गया। ऐसे कई मामले अभी भी कोर्ट में चल रहे हैं।

3394 पुरुष और 848 महिला सब-इंस्पेक्टर, एसएसएफ के लिए 60 सब-इंस्पेक्टर और यूपीएसएसएफ की 3 बटालियनों के लिए 106 महिला सब-इंस्पेक्टरों को जॉइनिंग लेटर दिए गए।

4,543 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे।

अभी हमने बिगड़ी व्यवस्था को सुधाकर पहचान दी है

सीएम योगी ने कहा- अभी हमने बिगड़ी व्यवस्था को सुधाकर पहचान दी है। अब समय है कि इसे मेहनत कर और आगे बढ़ाया जाए। सीएम योगी ने कहा- 2017 से पहले भर्ती का मतलब सैफई सिंडिकेट था। प्रदेश के बाकी हिस्से भर्ती प्रक्रिया से बाहर रहते थे। आज भर्ती में कोई भेदभाव नहीं है। सीएम योगी ने कहा- 2017 में आया तो कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं थे। पुलिस के बैरक टूटे-फूटे थे। वहां आराम कर रहे कार्मिकों को दिन में तारे नजर आते थे। सीएम योगी ने कहा- मैंने 9.50 लाख भर्ती के बाद कहा था कि 1 लाख और भर्ती करेंगे। उस 1 लाख के वादे को पार कर चुका, फिर भी नहीं रुक रहा। कुछ नियुक्ति पत्र रोक लेंगे। उन्हें तीसरी बार आने पर देंगे। उन्होंने कहा- मुझे चिंता होती है कि अगर कोर्ट ने गड़बड़ी वाली पुरानी भर्तियां रद्द कर दीं तो क्या होगा।

सीएम योगी की बड़ी बातें

1. दिवाली के ठीक बाद और नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे

योगी ने कहा- दिवाली के ठीक बाद हम राजस्व विभाग में 1,200 से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे। उसके बाद होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के तहत 42,000 युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपेंगे। 32 हजार सिपाहियों को भी नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे।

2. भाजपा न आती तो चयन प्रक्रिया सपना बन जाती

सीएम ने कहा- हमने यूपी को बदलते हुए देखा है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि अगर 2017 में यूपी में 'डबल इंजन' सरकार सत्ता में नहीं आती, तो यह चयन प्रक्रिया शायद बस एक सपना बनकर रह जाती।

3. उत्तर प्रदेश बेहद दयनीय स्थिति में पहुंच गया था

योगी ने कहा- 10 साल पहले देश में यूपी ने अपनी पहचान खो दी थी। लोग 'उत्तर प्रदेश' नाम सुनकर ही चौंक जाते थे और दूर भागते थे। भर्तियां लगभग बंद हो गई थीं। नतीजा यह हुआ कि यूपी अव्यवस्था और अशांति का पर्याय बन गया। कर्फ्यू और दंगे इसकी नियति बन गए। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, जहां सबसे युवा कार्यबल है, बेहद दयनीय स्थिति में पहुंच गया था।

4. अब कोई भाई-भतीजावाद नहीं होगा

योगी ने कहा- पहले भर्ती का मतलब केवल सैफई सिंडिकेट होता था। इस सरकार ने उस सिंडिकेट को तोड़ा है। अब कोई भाई-भतीजा-वाद नहीं होगा।

5. यूपी पुलिस होती तो गुंडों का दुस्साहस नहीं होता

उन्होंने कहा- देश के अंदर कहीं कोई घटना घटित होती है तो पीड़ित की ओर से एक ही आवाज आती है कि यूपी पुलिस होती तो इन गुंडों और माफियाओं का इतना दुस्साहस नहीं होता।

> सीएम योगी ने कहा- मैंने 9.50 लाख भर्ती के बाद कहा था कि 1 लाख और भर्ती करेंगे। उस 1 लाख के वादे को पार कर चुका, फिर भी नहीं रुक रहा। कुछ नियुक्ति पत्र रोक लेंगे। उन्हें तीसरी बार आने पर देंगे।

योगी का 10 लाख किसानों को दिवाली गिफ्ट

बर्बाद फसलों पर 30% तक मुआवजा बढ़ाया

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने दिवाली से पहले किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम ने शुक्रवार को ऐलान किया कि अब फसल के नुकसान पर 25 से 30% ज्यादा मुआवजा मिलेगा। इससे 10 लाख किसानों को फायदा पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने आपदा राहत राशि भी बढ़ा दी है। प्राकृतिक आपदा में मौत होने पर मृतक के परिवार को अब 4 लाख की जगह 8 लाख रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, यह फैसला 1 अप्रैल से 4 नवंबर 2026 तक हुए नुकसान पर लागू होगा। 3 दिन पहले योगी ने किसानों को लेकर कहा था- बारिश, बाढ़ और सूखे से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इसका मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन सरकार 3 करोड़ किसान परिवारों के लिए जल्द ही अलग विशेष आर्थिक पैकेज लाएगी। सिंचाई वाले इलाकों में फसल खराब होने पर अब 17 हजार की जगह 22 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर मुआवजा मिलेगा।

फास्ट न्यूज

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने नाराज विधायकों की ज्यादातर मांगें ठुकराईं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 25 विधायकों की ज्यादातर मांगें मानने से इनकार कर दिया है। शुक्रवार को श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के घर हुई बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, डिप्टी CM से R&B विभाग वापस लिए जाने की संभावना है।

शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल की अस्पताल में मुलाकात

मुंबई। NCP (SP) प्रमुख शरद पवार और अजित पवार गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल के बीच गुरुवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल 10 नवंबर के बाद मुंबई में फिर मुलाकात कर चर्चा करेंगे। सामने आए वीडियो में दोनों नेता इस पर सहमति जताते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, बातचीत किन मुद्दों पर होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में NCP के दोनों गुटों के एक होने की अटकलें तेज हो गई हैं।

बलूच आर्मी ने कमांडर इन चीफ बशीर को निकाला

क्वेटा। बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) के कमांडर-इन-चीफ बशीर जेब को पद से हटा दिया गया है। बशीर जेब ने पाकिस्तान में कई बड़े हमलों की साजिश रचकर पहचान बनाई थी। बलूचिस्तान में हथियारबंद लड़ाकों के साथ बशीर जेब के वीडियो वायरल हुए तो उनकी तुलना फिल्म 'धुरंधर' के किरदार हमजा अली मजारी से होने लगी।

पंजाब में यात्रियों से भरी चलती ट्रेन में आग लगी

4 डिब्बे जले, सवारियों ने छलांग लगाई

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

पटियाला/लुधियाना। पंजाब में शुक्रवार दोपहर चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। आग इंजन के साथ लगे जनरल डिब्बे में भड़की और देखते ही देखते ट्रेन के 4 जनरल कोच इसकी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आए डिब्बों में यात्री सवार थे। इससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ट्रेन रुकते ही यात्री जान बचाने के लिए नीचे उतरकर खेतों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई यात्रियों ने ट्रेन से छलांग भी लगा दी। घटना फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ और पटियाला के सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के बीच हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सराय बंजारा के पास कर्मभूमि एक्सप्रेस के कोचों से उठा धुएं का गुबार।
- कर्मभूमि एक्सप्रेस के डिब्बों से निकलता धुआं दूर तक दिखाई दिया।

दिल्ली प्रदूषण : कोई पाबंदी काम नहीं करेगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- हम जितने ज्यादा आदेश देंगे, नियमों का उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए जितने अधिक आदेश और पाबंदियां लगाई जाएंगी, उनके उल्लंघन की आशंका भी उतनी ही बढ़ सकती है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या केवल सख्त नियम बनाने और प्रतिबंध लागू करने से वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव है? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रदूषण के खिलाफ लोगों की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने संकेत दिया कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रशासनिक आदेशों के साथ आम लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना भी जरूरी है। कोर्ट का कहना था कि नियमों का पालन तभी प्रभावी हो सकता है।

>> (शेष पेज 06

दिल्ली में शुक्रवार को चारों तरफ धुंध छाई रही। प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा और शहर का औसत एक्यूआई 391 दर्ज किया गया। दिल्ली के 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर शुक्रवार सुबह 9 बजे एक्यूआई 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया था।

सुनवाई की 5 बड़ी बातें...

- दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण बढ़ने की एक बड़ी वजह गाड़ियों से निकलने वाला धुआं है। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए तुरंत, मध्यम अवधि और लंबे समय के उपाय करने की जरूरत है।
- हम लगातार बातें कर रहे हैं, बयान दे रहे हैं और सुझाव दे रहे हैं, लेकिन असली बात यह है कि AQI पहले ही 400 तक पहुंच रहा है।
- दिल्ली की सड़कों और NCR को जोड़ने वाले रास्तों को देखिए। किसी भी सड़क पर चलने वाले गाड़ियों की संख्या और उनके प्रकार पर नजर डालिए। यही सबसे बड़ी समस्या है।
- किसानों को खेतों में आग लगाने के बजाय मशीनों का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करना चाहिए।
- प्रदूषण रोकने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों के प्रयासों पर सवाल उठाते हुए तंज कसा, 'उम्मीद है आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे।' दिल्ली में वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों को उठाना पड़ता है।

7 राज्यों में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से छूटे मतदाताओं को मिलेगा नाम जुड़वाने का एक और मौका

फर्जी नामांकन रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र बनेगा

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) ने SIR प्रक्रिया के दौरान छूटे मतदाताओं को नाम जुड़वाने एक और मौका देने का फैसला किया। यह मौका उन मतदाताओं को मिलेगा, जिन्हें एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और डुप्लिकेट (ASDD) के तौर पर रखा गया था। आयोग के निर्देश दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड पर लागू होंगे। इस दौरान डुप्लिकेट नामांकन रोकने के निर्देश भी दिए गए हैं। हालांकि, जो लोग कभी वोटर लिस्ट में थे ही नहीं, उन्हें इसका फायदा नहीं मिलेगा। ये सिर्फ उन्हीं के लिए है जो पहले से लिस्ट में थे, लेकिन SIR के दौरान उनके नाम कट गए। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर को दिल्ली में की गई जल्दबाजी पर सवाल उठाया था, अगले ही दिन आयोग ने तारीख बढ़ा दी थी। दिल्ली में SIR से पहले करीब 1.45 करोड़ मतदाता थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

> इन मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म जारी हुए थे, लेकिन वापस नहीं मिले। इसके चलते स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआई-आर) के दौरान उनका नाम ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स में शामिल नहीं हो सका।

फॉर्म-6 से 2003 वाला सवाल हटा चुका आयोग

चुनाव आयोग ने SIR प्रक्रिया कम्पलीट हो चुके राज्यों के लिए भी फॉर्म-6 में बड़ा बदलाव कर चुका है। अक्टूबर में हुए इस बदलाव के बाद SIR में नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी। आवेदक को यह बताने की जरूरत नहीं होगी कि उसका, माता-पिता या दादा-दादी का नाम उस लिस्ट में था या नहीं।

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, केंद्र सरकार की याचिका खारिज

माता-पिता की कमाई से नहीं तय होगा आरक्षण

खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीएसी परीक्षाओं में OBC क्रीमी लेयर आरक्षण पर केंद्र सरकार की संशोधन याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि ओबीसी आरक्षण के तहत 'क्रीमी लेयर' तय करने का आधार केवल माता-पिता की सैलरी या आय को नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि किसी उम्मीदवार को आरक्षण के दायरे से बाहर करने के लिए केवल वेतन को पैमाना मानना सही नहीं है। इसके लिए माता-पिता के सोशल स्टेटस और उनके पद की प्रकृति को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। केंद्र ने PSU (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों) और प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों के पदों की सरकारी पदों से समानता तय करने और नई व्यवस्था बनाने के लिए दो साल का समय मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह मांग स्वीकार नहीं की।

>> (शेष पेज 06 पर)

क्रीमी लेयर और इससे जुड़े नियम

- क्रीमी लेयर OBC के आर्थिक और सामाजिक रूप से संपन्न परिवारों को कहा जाता है, जिन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलता।
- इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का फायदा वास्तव में जरूरतमंद और पिछड़े लोगों तक पहुंचे।
- 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले में पहली बार क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया था।
- इस फैसले के बाद OBC के संपन्न वर्ग को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण से बाहर कर दिया गया।
- SC और ST के लिए फिलहाल क्रीमी लेयर का नियम लागू नहीं है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में भी यही रुख दोहराया है।
- केंद्र के मुताबिक, SC-ST आरक्षण सामाजिक और ऐतिहासिक भेदभाव पर आधारित है, केवल आर्थिक स्थिति पर नहीं।
- SC-ST की सूची में किसी भी तरह का बदलाव करने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है।

बर्बाद फसलों पर 30% तक मुआवजा बढ़ाया ■ आपदा में मौत पर 8 लाख दिए जाएंगे

योगी का 10 लाख किसानों को दिवाली गिफ्ट

■ वाराणसी में तूफान अर्नब के कारण हजारों बीघा धान की फसल बर्बाद हो गई थी।

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने दिवाली से पहले किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम ने शुक्रवार को ऐलान किया कि अब फसल के नुकसान पर 25 से 30% ज्यादा मुआवजा मिलेगा। इससे 10 लाख किसानों को फायदा पहुंचने का अनुमान है।

सरकार ने आपदा राहत राशि भी बढ़ा दी है। प्राकृतिक आपदा में मौत होने पर मृतक के परिवार को अब 4 लाख की जगह 8 लाख रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, यह फैसला 1 अप्रैल से 4 नवंबर 2026 तक हुए नुकसान पर लागू होगा। 3 दिन पहले योगी ने किसानों को लेकर कहा था- बारिश, बाढ़ और सूखे से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इसका मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन सरकार 3 करोड़ किसान परिवारों के लिए जल्द ही अलग विशेष आर्थिक पैकेज लाएगी। सरकार ने रेशम उत्पादन में नुकसान पर मिलने वाली मदद भी बढ़ा दी है। एरी, शहतूत और टसर रेशम के नुकसान पर अब 6 हजार की जगह 7,800 रुपए प्रति हेक्टेयर मिलेंगे। वहीं, मूगा रेशम के नुकसान पर सहायता राशि 7,500 से बढ़ाकर 9,800 रुपए प्रति हेक्टेयर कर दी गई है।

> सिंचाई वाले इलाकों में फसल खराब होने पर अब 17 हजार की जगह 22 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर मुआवजा मिलेगा। बारिश से फसल को नुकसान होने पर 8,500 की जगह 11 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर दिए जाएंगे।
>
> वहीं, बारहमासी फसलों और कृषि वानिकी के नुकसान पर मुआवजा 22,500 से बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है।

जानवरों की मौत पर पशुपालकों को ज्यादा मुआवजा मिलेगा

आपदा में पशुओं की मौत होने पर अब पशुपालकों को ज्यादा मुआवजा मिलेगा। बड़े पशुओं की मौत पर 40 हजार की जगह 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

बकरी, भेड़ और सूअर जैसे छोटे पशुओं की मौत पर 4 हजार की जगह 5,500 रुपए मिलेंगे। घोड़े और खच्चर जैसे भार ढोने वाले पशुओं की मौत पर 20 हजार की जगह 25,400 रुपए दिए जाएंगे। वहीं, मुर्गीपालकों को हर मुर्गी की मौत पर 100 की जगह 130 रुपए मिलेंगे।

मकान, स्कूल की मरम्मत के लिए ज्यादा मदद मिलेगी

सरकार ने मकान, स्कूल, सड़क और अस्पतालों की मरम्मत के लिए भी मदद बढ़ाई है। मैदानी इलाकों में पूरी तरह टूटे मकान के लिए 1.85 लाख रुपए और पहाड़ी इलाकों में 2.06 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। वहीं, मैदानी इलाकों में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकान की मरम्मत के लिए 93 हजार रुपए मिलेंगे। इसके अलावा, प्राथमिक विद्यालयों की मरम्मत के लिए 15.50 लाख रुपए दिए जाएंगे।

फास्ट न्यूज

इनर व्हील क्लब का मनोरंजक कार्यक्रम

गोरखपुर । गोरखपुर में इनर व्हील क्लब ऑफ गोरखपुर होराइजन की ओर से दीपावली के अवसर पर गोद लिए गए विद्यालय के बच्चों के लिए मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों को ओरियन गेम जोन ले जाया गया, जहां उन्होंने विभिन्न खेलों और गतिविधियों में भाग लिया। क्लब की अध्यक्ष खुशबू मोदी और सचिव श्वेता अग्रवाल की मौजूदगी में बच्चों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई।

गोरखपुर जेल में बंद पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष की मौत

गोरखपुर । गोरखपुर जिला कारागार में बंद भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष छोटेलाल पासवान (58) की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। एक नवंबर को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां कई दिनों से उनका उपचार चल रहा था। गुरुवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। छोटेलाल पासवान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। दरअसल, छोटेलाल पासवान खोराबार गांव के रहने वाले थे।

बड़हलगंज में सफाई कर्मचारियों का सम्मान

गोरखपुर। गोरखपुर के नगर पंचायत बड़हलगंज में दीपावली के अवसर पर 200 सफाई कर्मचारियों को कुकर भेंटकर सम्मानित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. प्रीति उमर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उनके प्रतिनिधि महेश उमर ने सफाई कर्मचारियों को उपहार दिए। इसके साथ ही पत्रकारों और सभासदों को भी उपहार देकर दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं।

स्कूटी सिखाते समय अनियंत्रित होकर गिरी स्कूटी

दोनों को सीएचसी सूरतगंज में कराया गया भर्ती

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में स्कूटी चलाना सीखने के दौरान हुए हादसे में चचेरा भाई और बहन घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, सिकोहना गांव निवासी गुलामरसूल का 30 वर्षीय पुत्र नईम अपनी 15 वर्षीय चचेरी बहन अंजुम को स्कूटी चलाना सिखा रहा था। इसी दौरान स्कूटी अचानक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में नईम को और अंजुम के चेहरे पर गंभीर चोटें आई चोटें आईं। घटना के बाद परिजनों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। स्कूटी सीखने के दौरान हुए इस हादसे से परिजन चिंतित हो गए। फिलहाल दोनों का सीएचसी में उपचार जारी है।

गोरखपुर में धनतेरस दीपावली पर 3 दिन ट्रैफिक डायवर्जन

गोरखपुर। गोरखपुर में धनतेरस और दीपावली पर बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तीन दिन का डायवर्जन प्लान जारी किया है। प्लान के मुताबिक, 6, 7 और 8 नवंबर को सुबह 10 बजे से रात 12 बजे तक महानगर के प्रमुख बाजारों और आसपास के मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे।

इस दौरान गोलघर, घंटाघर, रेती, नखास और अन्य प्रमुख बाजारों की ओर जाने वाले कई मार्गों पर लोडर, आटो और ई-रिक्शा का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। चार पहिया और दो पहिया वाहन चालकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा कर खरीदारी करने की सलाह दी गई है। एसपी यातायात अमित श्रीवास्तव ने बताया कि वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता ढाई महीने की प्रेग्नेंट थी, सहारनपुर में पति को छुड़ाने गई थी

गैंगरेप करने वाले इंस्पेक्टर सीओ को 20-साल की कैद

तमसा संकेत, संवाददाता

सहारनपुर । सहारनपुर के एक थाने में ढाई महीने की गर्भवती महिला के साथ गैंगरेप करने के मामले में कोर्ट ने रिटायर्ड डिप्टी एसपी (CO) और इंस्पेक्टर को 20-20 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों दोषियों को जेल भेज दिया। इस दौरान वे गमछे और तौलिए से अपना चेहरा छिपाते नजर आए। मामला वर्ष 2015 का है। महिला के पति को पुलिस ने एक मामले में जेल भेज दिया था। महिला का आरोप था कि उसके पति को झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। वह पति के बारे में जानकारी लेने और मदद मांगने थाने पहुंची थी। इसी दौरान तत्कालीन थानाध्यक्ष ब्रजमोहन यादव और इंस्पेक्टर वेगपाल सिंह ने उसके साथ गैंगरेप किया। बाद में ब्रजमोहन यादव प्रमोशन पाकर डिप्टी एसपी बने और इसी पद से रिटायर हुए। करीब 11 साल 3 महीने तक चली कानूनी लड़ाई के बाद महिला को अब इंसाफ मिला है।

एडवोकेट राजीव तोमर ने बताया कि 6 अगस्त 2015 को देवबंद निवासी महिला के साथ थाने के सरकारी क्वार्टर में तत्कालीन एसएचओ ब्रजमोहन यादव, एसआई वेगपाल सिंह, दरोगा पंकज धामा और एक सिपाही ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। घटना के बाद पीड़िता की कहीं सुनवाई नहीं हुई और उसकी FIR तक दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ और जांच CBCID को सौंपी गई। हालांकि, जांच एजेंसी ने आरोपियों को क्लीन चिट देते हुए फाइनल रिपोर्ट लगा दी।

पीड़िता बोली- पति की जानकारी लेने थाने गई थी, वहां पुलिसकर्मियों ने गैंगरेप किया

पीड़िता ने बताया कि वह देवबंद की रहने वाली है। 6 अगस्त 2015 को पुलिसकर्मियों ने उसके पति को झूठे मुकदमे में उठा लिया था। उनके बारे में जानकारी लेने और मदद मांगने के लिए वह अपनी ननद के साथ थाने पहुंची थी। वहां एक सिपाही ने कहा कि चौकी इंचार्ज बुला रहे हैं। इसके बाद पंकज धामा उसे और उसकी ननद को थाने ले गए।

पीड़िता के मुताबिक, थाने के पीछे कोतवाल के कमरे में ब्रजमोहन यादव, पंकज धामा, एक लेखपाल और एक सिपाही ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि न्याय की लड़ाई के दौरान उस पर हमले किए गए ।

धनतेरस पर यूपी में करोड़ों की खरीदारी

चेयरमैन ने 4 फॉर्च्यूनर खरीदीं, बस्ती में एक दिन में 60 गाड़ियों की बुकिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में धनतेरस पर बाजारों में रौनक छाई हुई है। कपड़े, बर्तन, ज्वेलरी और ऑटोमोबाइल शोरूम में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ लगी है। गाड़ियों के शोरूम में ग्राहकों का ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया जा रहा है। इस बार धनतेरस दो दिन, 6 और 7 नवंबर को मनाया जा रहा है।

बलरामपुर में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ 'धीरू' ने धनतेरस पर एक ही दिन में चार फॉर्च्यूनर गाड़ियां खरीदी हैं। इन चारों गाड़ियों की कुल कीमत करीब 2.20 करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं, बस्ती में भी धनतेरस पर ऑटोमोबाइल बाजार में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। मारुति सुजुकी के शोरूम में एक दिन में 60 गाड़ियों की बुकिंग हुई है। इन वाहनों की कुल कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है।

धनतेरस पर बरेली के बाजारों में रौनक

धनतेरस के पावन पर्व पर बरेली के प्रमुख सर्राफा बाजार आलमगीरी गंज में सुबह से ही ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। त्योहार को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग शगुन के तौर पर सोने व चांदी के जेवरात और सिक्कों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में रौनक लौटने से व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं।

> धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़ और वाहनों की बुकिंग से कारोबारियों में भी उत्साह है। ज्वेलरी, बर्तन और कपड़ों की दुकानों पर भी सुबह से ग्राहकों की आवाजाही बनी हुई है।

नोएडा में आगामी 5 दिनों में 2000 करोड़ के व्यापार होने का अनुमान है। इसको लेकर सर्राफा बाजार से लेकर बर्तन व सजावटी सामान की खरीदारी जमकर की जा रही है। बलरामपुर में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ 'धीरू' ने एक ही दिन में चार फॉर्च्यूनर गाड़ियां खरीदी हैं। इन गाड़ियों की कीमत करीब 2.20 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार लोग घायल

दवाइयां लेने सूरतगंज जा रहे बुजुर्ग समेत चार घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, गंभीर हालत में एक जिला अस्पताल रेफर

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में सूरतगंज-सुढ़ियामऊ मार्ग पर तेलवाय गांव के पास शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कुल चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से चार घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक बुजुर्ग को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों बाइकों पर दो दो लोग सवार थे। एक बाइक पर अंदीपुर गांव निवासी छविराज पुत्र गजोधर (32) और शिवम पुत्र राधेलाल (18) सवार थे। वहीं दूसरी बाइक पर तेलवाय निवासी मिश्रीलाल पुत्र मोल्हे (65) और सिद्धौर कस्बा निवासी, अभिषेक पुत्र सभाजीत (30) वर्षीय तेलवाय निवासी बताया जा रहा है कि अभिषेक अपनी बाइक से मिश्रीलाल की दवा लेने के लिए सूरतगंज जा रहे थे। इसी दौरान तेलवाय गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही यूपी-32 एफजी 0685 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी अतुल बाजपेई और पायलट अनूप कुमार ने तत्परता दिखाते हुए एक ही एम्बुलेंस पर चार घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।

वारदात : भतीजे से था अवैध संबंध, खून से लथपथ मिला शव, घटना पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मन्दरी गांव की

महिला की सिलबट्टे से चेहरा कूंचकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पति ने सिलबट्टे से महिला के चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया। उसके दोनों आंखों और माथे पर ताबड़तोड़ वार किए गए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शक के आधार पर महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस पुछताछ में आरोपी पति ने बताया- मेरी पत्नी का भतीजे से अवैध अवैध संबंध था। इसी लेकर आए दिन झगड़ा होता था। घटना पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मन्दरी गांव की है। मृतका की पहचान बिजमा देवी (28) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से कौशांबी जिले के चरवा थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव की रहने वाली थी। करीब 10 वर्ष पहले उसकी शादी पूरामुफ्ती के मंदरा गांव निवासी सुमन कुमार से हुई थी। दोनों के तीन छोटे बच्चे हैं। बड़ी बेटी चार वर्ष की है, जबकि अन्य दो बच्चों की उम्र तीन और दो वर्ष बताई जा रही है। पुलिस फोरेंसिक साक्ष्यों और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है, ताकि हत्या की पूरी परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। पिता रामभवन ने बताया कि सुबह सात बजे के करीब पूरामुफ्ती थाने से उन्हें सूचना दी गई कि उनकी बेटी की हत्या हो गई है।

■ पुलिस ने पति को हिरासत में लिया है मायके वाले ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर भी आरोप लगा रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन भी किया है।

रात 2:30 बजे मिली हत्या की सूचना

गुरुवार रात करीब 2:30 बजे डायल-112 को सूचना मिली कि मंदरा गांव में एक महिला की घर के भीतर हत्या कर दी गई है। सूचना पर सबसे पहले डायल-112 की टीम और उसके बाद पूरामुफ्ती पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर महिला का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की और संदेह के आधार पर पति सुमन कुमार को हिरासत में ले लिया।

> घटना के बाद पुलिस ने सुबह मृतका के मायके वालों को सूचना दी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया।

तीन दिन पहले ही मायके से लौटी थी महिला

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी पति सुमन कुमार ने बताया- मेरी पत्नी का मेरे भतीजे से अवैध संबंध था। उसको कई बार समझाया को मानने को तैयार नहीं थी।

इसी को लेकर आए दिन झगड़ा होता है। कल रात में भी पत्नी उस लड़के से मिली। इसी बात को लेकर हम लोगों में झगड़ा हुआ। इसके बाद हमने हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह भी जानकारी मिली है कि तीन दिन पहले ही सुमन अपनी पत्नी को उसके मायके से वापस लेकर आया था।

काशी के स्टेशनों पर नहीं हो रही बैग की चेकिंग

वाराणसी । धनतेरस और दीपावली को देखते हुए वाराणसी के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। ट्रेनों में सीटों से ज्यादा यात्री दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही नजर आ रही है। वाराणसी के दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों- वाराणसी जंक्शन (कैंट) और बनारस स्टेशन पर यात्रियों के बैग की एक्स-रे मशीन से नियमित जांच नहीं हो रही है। बता दें कि दो दिन पहले ही वाराणसी नगर निगम, काशी हिंदू विश्वविद्यालय और सीएचएस को ई-मेल भेजकर 8 नवंबर को बम धमाके की धमकी दी गई थी। कैंट स्टेशन पर बैग जांचने की एक्स-रे मशीन चालू है। यहां अनाउंसमेंट भी किया जा रहा है कि यात्री अपना बैग चेक कराकर आगे जाएं। इसके बावजूद यात्रियों के सामान की सख्ती से जांच होती नजर नहीं आई। वहीं, बनारस स्टेशन पर गेट नंबर एक पर लगी एक्स-रे मशीन बंद मिली। प्लेटफॉर्म नंबर आठ की तरफ से आने वाले गेट पर बैग जांचने की मशीन की व्यवस्था ही नहीं है।

वाराणसी में सड़क जाम करने पर 45 लोगों पर एफआईआर

चौबेपुर-बाबतपुर मार्ग पर शव रखकर हंगामा किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । चौबेपुर थाना क्षेत्र के गुरुवट गांव में 76 वर्षीय इंद्रावती देवी की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। चौबेपुर-बाबतपुर मुख्य मार्ग पर जाम लगाने के आरोप में बृजेश मिश्रा और अजय यादव समेत 45 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की 8 धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंद्रावती देवी का पोस्टमार्टम होने के बाद 5 नवंबर की शाम शव परिजनों को सौंपा गया था। शव घर पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने चौबेपुर-बाबतपुर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम में कई एंबुलेंस भी फंस गईं। पुलिस के काफी समझाने के बाद परिजन और ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद शव को रास्ते से हटाकर यातायात बहाल कराया गया। थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम के मुताबिक, इंद्रावती देवी का शव 5 नवंबर को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया था। परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान राजापुर गांव निवासी बृजेश मिश्रा और गुरुवट गांव निवासी अजय यादव पर परिजनों को आगामी विधानसभा और पंचायत चुनाव में राजनीतिक लाभ के लिए उकसाकर सड़क जाम कराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, शाम करीब 6 बजे जाम लगने से आम लोगों के साथ मरीजों को भी परेशानी हुई।

समिति ने कुम्हारों से खरीदे 1.51 लाख दीये

लोगों के बीच मुफ्त बांटे, दिया स्वदेशी अपनाने का संदेश

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में दीपावली के अवसर पर स्थानीय कुम्हारों और मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए नर सेवा नारायण सेवा समिति ने विशेष अभियान चलाया। समिति ने कुम्हारों से 1 लाख 51 हजार मिट्टी के दीये खरीदे और उन्हें लोगों के बीच मुफ्त वितरित किया। समिति के संस्थापक विमल द्विवेदी ने कारीगरों की ओर से तय किए गए दाम पर दीयों की खरीदारी की। शुक्रवार को गांधी नगर चौराहे से बड़े चौराहे तक मुख्य बाजार में अभियान चलाया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को मिट्टी के दीये बांटे। समिति का कहना है कि इस पहल के जरिए दीपावली की खुशियों के साथ स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देने का प्रयास किया गया। समिति के मुताबिक, अभियान का मुख्य उद्देश्य कुम्हारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाना और स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

विमल द्विवेदी ने लोगों से अपील की कि वे दीपावली पर अपने घरों और दुकानों को मिट्टी के दीयों से रोशन करें। उन्होंने कहा कि मिट्टी के दीये खरीदने से सीधे कुम्हार परिवारों को आर्थिक मदद मिलती है। त्योहार के समय स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों की मांग बढ़ने से उनकी मेहनत को बेहतर पहचान और बाजार मिल सकता है। विमल द्विवेदी ने लोगों से ऑनलाइन खरीदारी के बजाय स्थानीय दुकानदारों और कारोबारियों से सामान खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर आसपास के बाजारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिले और त्योहार की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंच सकें। समिति का कहना है कि वह पिछले कई वर्षों से इस तरह की पहल कर रही है। बाजार में अभियान के दौरान लोगों ने इस प्रयास की सराहना की। मुफ्त दीये मिलने पर लोगों ने खुशी जताई, वहीं कुम्हार परिवारों ने दीयों की खरीदारी के लिए समिति का आभार व्यक्त किया।

दीये वितरण अभियान के दौरान अजय त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष राकेश राजपूत और एके दीक्षित मौजूद रहे। इनके अलावा राजेश मिश्रा, योगेंद्र तिवारी, मनीष मिश्रा, सुजीत सिंह, धर्मेंद्र शुक्ला, अखिल मिश्रा, संदीप सिंह, अमूल्य बाजपेई, अभिषेक तिवारी, गोलू पांडे, आलोक शुक्ला, परिमल मिश्रा, केतन अवस्थी, शुभम शुक्ला, शुभम शर्मा, राजेंद्र राजपूत, मिलन कुमार और वासु मिश्रा ने भी अभियान में हिस्सा लिया।

बीघापुर में पुलिसकर्मियों को त्योहारों पर गश्त के निर्देश

एएसपी ने बाजारों में निगरानी बढ़ाने और जेल से छूटे अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने को कहा

तमसा संकेत, एजेंसी

बीघापुर। 6 नवंबर 2026 को सहायक पुलिस अधीक्षक और बीघापुर के क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने थाना बीघापुर के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने धनतेरस और दीपावली के दौरान बाजारों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर गश्त करने, सतर्क निगरानी रखने और पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात करने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रदीप कुमार ने हाल ही में जेल से रिहा हुए अपराधियों का सत्यापन करने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने को कहा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को इलाके में लगातार घूमकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में हाल ही में संपन्न शिव महापुराण कथा के दौरान जिम्मेदारी से ड्यूटी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रशंसा की गई। उन्हें आगे भी इसी तरह काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में गैस रिसाव से घर में आग लगी

उन्नाव। उन्नाव के तालिब सराय मोहल्ले में शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे गैस सिलेंडर से रिसाव के बाद एक घर में आग लग गई। परिवार के मुताबिक, आग में करीब 80 हजार रुपए का सामान और 11 हजार रुपए नकद जल गए। घर में मौजूद यूनुस की पत्नी और चार बच्चे सुरक्षित बाहर निकल आए। यूनुस शहर कोतवाली क्षेत्र के तालिब सराय में रहते हैं और फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं। शुक्रवार सुबह घर में चाय बनाते समय सिलेंडर से गैस रिसने लगी।

सांप के काटने से युवक की मौत

हरदोई। हरदोई के बघौली थाना क्षेत्र में सोते समय एक युवक को सांप ने डस लिया। सुबह उसने मां को हाथ पर बने दो निशान दिखाए, लेकिन कुछ देर बाद उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। केशवन गांव के रहने वाले कन्हैया लाल के पांच बेटों और दो बेटियों में 30 साल का सोनेलाल मजदूरी करता था। वह अविवाहित था। उसकी मां कुंती ने बताया कि गुरुवार रात सोनेलाल अपने कमरे में सो रहा था।

लव-मैरिज के 3 महीने बाद दूसरे प्रेमी के साथ फरार

हरदोई। हरदोई जनपद में दो अलग-अलग मामलों में महिलाएं अपने पति का घर छोड़कर चली गईं। एक महिला की तीन महीने पहले कोर्ट मैरिज हुई थी। दूसरे मामले में 12 साल से शादीशुदा महिला अपने रिश्तेदार के साथ चली गई। उसके दो बच्चे भी हैं। टड़ियावां थाने में बृहस्पतिवार रात 9:15 बजे इस मामले में शादी का झांसा देने की धारा में एफआई-ईआर दर्ज की गई है।

बच्चों के झगड़े में पिता की हुई हत्या

बेटी बोली- पापा का गला सरिया से तब तक दबाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बच्चों के झगड़े में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। करीब 4-5 लोगों ने लाठी से हमला कर दिया। पत्नी बचाने आई तो उसको भी बुरी तरह से मारा। मृतक की 11 साल की बेटी ने बताया- हमलावरों ने पापा को लाठी मारकर जमीन पर गिरा दिया। फिर उनके गले पर सरिया रखकर दो लोग दोनों तरफ बैठ गए। सरिया को तबतक दबाते रहे जबतक पापा की मौत न हो गई। गुरुवार देर रात की यह घटना जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर लोनी कटरा थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान त्रिलोकपुर गांव के रज्जू गौतम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रज्जू के घर के दरवाजे पर पानी के नल की टोटी लगी है। सुबह बच्चों के बीच टोटी को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई। पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों को थाने लेकर गई। लेकिन देर शाम को छोड़ दिया। थाने से छूटने के बाद आरोपियों ने हत्या कर दी। रज्जू गौतम (48) अपने परिवार के साथ त्रिलोकपुर गांव में रहते थे। परिवार में पत्नी माया देवी और तीन बच्चे वैष्णवी (11), ऋतिक (9) और सौम्या (7) हैं। रज्जू मजदूरी करते थे।

डेंगू के दो नए मरीज मिले, संख्या-54 पहुंची

दो साल का बच्चा और युवक संक्रमित, जिला अस्पताल में बुखार के 6 मरीज भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में डेंगू का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को जिले में दो नए मरीजों की पुष्टि हुई। इसके साथ ही इस सीजन में डेंगू संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 54 हो गई है। नए मरीजों में कबूलपुर जाजमऊ का दो साल का बच्चा और माखी का 44 वर्षीय युवक शामिल है। दोनों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए मरीजों की पुष्टि के बाद संबंधित क्षेत्रों में संक्रमण को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत है। विभाग की ओर से लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने और घरों के आसपास साफ-सफाई रखने की सलाह दी जा रही है। शुक्रवार को सामने आए दोनों मरीज अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं। इनमें कबूलपुर जाजमऊ का दो साल का बच्चा और माखी का 44 वर्षीय युवक शामिल है। जांच में दोनों के डेंगू संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। डेंगू का संक्रमण मच्छरों के काटने से फैलता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग लोगों को घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की सलाह दे रहा है। कूलर, गमले, टायर और अन्य बर्तनों में जमा पानी को नियमित रूप से साफ करना जरूरी है, ताकि मच्छरों को पनपने का मौका न मिले। जिला अस्पताल में शुक्रवार को बुखार से पीड़ित छह मरीज भर्ती रहे। इनमें एक मरीज की हालत बिगड़ने पर उसे इमरजेंसी में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टरों ने डेंगू के लक्षणों को देखते हुए नौ आशंकित मरीजों की जांच कराई। वहीं, मलेरिया की आशंका में 14 लोगों के नमूने लिए गए। जांच के बाद सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई। अस्पताल में भर्ती मरीजों और जांच के लिए पहुंच रहे लोगों को देखते हुए मौसमी बीमारियों के प्रति सतर्कता बरतने की जरूरत बनी हुई है।जिला अस्पताल की ओपीडी में शुक्रवार को कुल 855 मरीज इलाज कराने पहुंचे। इनमें बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल रहे। मौसम में बदलाव के साथ अस्पताल में मरीजों की आवाजाही बनी हुई है।

डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि बुखार आने पर खुद से दवा लेने या बिना चिकित्सकीय सलाह के इलाज करने से बचें। तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द या अन्य परेशानी होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में जांच कराएं। स्थ्य विभाग ने लोगों से घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की अपील की है। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करने, पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर समय पर जांच और डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बुखार को सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें और अपनी मर्जी से दवाएं न लें।

कूलर और गमलों में पानी जमा न होने दें

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की अपील की है। कूलर, गमले, पुराने टायर, छतों पर रखे बर्तन और अन्य जगहों पर जमा पानी नियमित रूप से साफ करने की सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए पानी जमा होने से रोकना जरूरी है।

धनतेरस और दीपावली पर बाजारों में 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

उन्नाव। उन्नाव में धनतेरस और दीपावली के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिले में बाजारों और प्रमुख स्थानों की निगरानी के लिए 2 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पूरे जिले को उत्तरी और दक्षिणी दो सेक्टर में बांटा गया है। दोनों सेक्टर की जिम्मेदारी संबंधित अपर पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) को सौंपी गई है। पुलिस का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बाजारों में चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाना है, ताकि लोग बिना किसी डर के खरीदारी कर सकें और त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मना सकें।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों से कहा कि वे दुकानों और आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें। अधिक नकदी या कीमती आभूषण एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते समय विशेष सतर्कता बरतें।

नहर किनारे मिला युवक का शव

परिजन बोले- लड़की का फोन आने पर निकला था

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के बछरावां इलाके में नया पुरवा गांव के पास नहर की पटरी पर शुक्रवार सुबह 8 बजे युवक का शव मिला। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बृजेश (25) पुत्र हरिश्चंद्र, शिवगढ़ थाना क्षेत्र के पूरन खेड़ा मजरे बहादुर नगर गांव का रहने वाला था। ग्रामीणों के मुताबिक, उसकी मोटरसाइकिल मौके पर खड़ी थी। उसके शरीर पर चोट के निशान भी थे। परिजनों के मुताबिक, बृजेश की शादी बछरावां इलाके के सेहगों गांव के चंद्रशेखर की बेटी सलोनी से तय हुई थी। शादी को लेकर दोनों परिवारों में सहमति नहीं बनी थी और अनबन चल रही थी। परिजनों ने बताया कि बृजेश और सलोनी मोबाइल फोन पर बात करते थे। उनका आरोप है कि सलोनी के बुलाने पर बृजेश उसके घर सेहगों जा रहा था। परिजनों का कहना है कि रात में उसकी हत्या कर शव नहर किनारे फेंक दिया गया। थानाध्यक्ष श्याम कुमार पाल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चलेगी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों पर सुरक्षा और सफाई में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

उन्नाव। उन्नाव में दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज और छठ पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे विकास भवन सभागार में डीएम घनश्याम मीना ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सुरक्षा, सफाई, बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

डीएम ने स्पष्ट किया कि व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने पटाखों के अवैध भंडारण और बिना लाइसेंस दुकानों के संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम और सीओ को संयुक्त टीमें बनाकर बाजारों और अन्य स्थानों पर जांच करने को कहा। पटाखों की दुकानें निर्धारित मानकों के अनुसार ही लगाई जाएंगी। आबादी वाले इलाकों में दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी।

बेकाबू कार गड्ढे में गिरी, पति-पत्नी और मासूम की मौत

दिवाली पर घर लौट रहा था परिवार, हरदोई में हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

दिवाली पर घर लौट रहे युवक की हरदोई हादसे में पत्नी-बेटे सहित मौत हो गई।

हरदोई/ कन्नौ। हरदोई में एक बेकाबू टाटा टियागो कार सड़क किनारे पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गई। हादसे में पति-पत्नी और उनके तीन महीने के बेटे की मौत हो गई। कार सवार एक युवक घायल है। करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से रस्सी के सहारे कार सवारों को बाहर निकाला। तब तक पति-पत्नी और बच्चे की मौत हो चुकी थी, जबकि एक युवक बेहोशी की हालत में मिला। उसे कन्नौज के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा शुक्रवार तड़के करीब 3:30 बजे बिलग्राम-कन्नौज रोड पर जफरपुर मोड़ के पास हुआ। यह जगह हरदोई जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी और कन्नौज से 15 किमी दूर है। कार सवार परिवार गुड़गांव से दिवाली की छुट्टी पर हरदोई स्थित अपने घर आ रहा था। मृतकों की पहचान हरदोई के रमेश कुशवाहा, उनकी पत्नी नीलम और उनके तीन महीने के बेटे के रूप में हुई है। हरदोई कोतवाली क्षेत्र के चांद बेहटा मोहल्ले के रहने वाले रमेश कुमार कुशवाहा (35) गुड़गांव में एलईडी टीवी के पैनल बनाने वाली कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर थे। परिवार में दो भाई और एक बहन हैं। रमेश तीनों में दूसरे नंबर पर थे।

सम्पादकीय

खीझ निकालती कांग्रेस

कांग्रेस ने सहयोगी दलों के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान की अपनी वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में दावे और साथ ही अपेक्षा से कहीं कम भीड़ जुटने के कारण जिस तरह कई राज्यों के दो सौ से अधिक पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया, उससे उसकी हताशा और खीझ का ही पता चलता है। अधिकतर निलंबित पदाधिकारी युवक कांग्रेस के हैं। इनमें प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव स्तर के नेता हैं। इन पर गाज इसलिए गिरी, क्योंकि वे दिल्ली आए ही नहीं।

कांग्रेस के युवा नेताओं की रामलीला मैदान में अनुपस्थिति केवल यही बयान नहीं कर रही कि उन्हें पार्टी नेतृत्व और विशेषकर राहुल गांधी के इस नैरेटिव में कोई दम नहीं दिखा कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण की प्रक्रिया यानी एसआइआर के जरिये वोट चोरी की जा रही है। उनकी दिल्ली में गैरहाजिरी यह भी बता रही है कि कांग्रेस का युवा संगठन शिथिल और उत्साहहीन है।

संभव है कि इसका कारण राहुल गांधी की ओर से एसआइआर को वोट चोरी करार देकर उसे अनावश्यक तूल देना हो। यह पहली बार नहीं, जब राहुल ने ऐसा मुद्दा उठाया हो, जो आम जनता का ध्यान नहीं खींच सका। इसके पहले उन्होंने राफेल सौदे को लेकर चौकीदार चोर है का नारा गढ़ा, लेकिन नाकाम रहे। ईवीएम के खिलाफ मोर्चा खोलने से भी उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। उनके इस आरोप ने भी जनता के बीच कोई असर नहीं दिखाया कि मोदी सरकार केवल चंद उद्यमियों के लिए ही काम कर रही है।

राहुल गांधी और उनके साथी यह समझने को तैयार नहीं कि किसी तत्वहीन मुद्दे को तूल देने और अशालीन भाषा इस्तेमाल करने से वह प्रभावी मुद्दा नहीं बन जाता। जब कोई मुद्दा जनता का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाता तो उसे लेकर पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं को लोगों को अपने साथ जोड़ना कठिन हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के साथ यही हो रहा है।

समस्या यह है कि अपनी गलतियों से सबक सीखने के स्थान पर कांग्रेस अतिवादी किस्म के वामपंथियों और ऐसे लोगों को साथ लेना पसंद कर रही है, जो अराजकता की राजनीति करने के लिए जाने जाते हैं। अभी हाल तक काकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाने वाली कांग्रेस ने दिल्ली की अपनी रैली के लिए उसे भी अपने साथ लेना जरूरी समझा। यह वह समूह है, जिस पर विदेशी संगठनों के प्रभाव में काम करने के आरोप लगे हैं।

शायद इसी कारण प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष भारत विरोधी ताकतों के साथ मिलकर देश तोड़ने की साजिश रच रहा है। गत दिवस केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी कहा कि सीजेपी नेताओं को बाहरी देशों से वित्तीय मदद मिल रही है। यदि ऐसा कुछ है तो केवल आरोपों से बात नहीं बनेगी। सरकार को अपने आरोपों के पक्ष में तथ्य सामने रखने होंगे।

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए? मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।

दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा।

-ललित गर्ग

> 66
> **आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा।**

रावलकोट के उमर...

अशोक भाटिया, वसई

रोशनी का त्योहार बनाम दमन का अंधेरा: रावलकोट का क्रंदन और पाकिस्तान का बेनकाब होता कश्मीर नैरेटिव

एक तरफ जहां पूरा भारतवर्ष रोशनी, उल्लास और बंधुत्व के महापर्व दीपावली के पावन प्रकाश में नहाया हुआ है, जहां हर घर के मुहाने पर जलते दीये और आसमान को छूती आतिशबाजी एक जीवंत और प्रगतिशील लोकतंत्र की खुशहाली को बयां कर रही है, वहीं दूसरी तरफ भारत के ही एक अभिन्न हिस्से—पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से आ रही चीखें और धुंआ मानवता के अंतःकरण को झकझोर रहा है। जब स्वतंत्र भारत के नागरिक अपने परिवारों के साथ सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं, ठीक उसी समय नियंत्रण रेखा के उस पार रावलकोट में निर्दोष कश्मीरियों के घरों पर बारूद बरस रहा है। यह विरोधाभास केवल दो भौगोलिक क्षेत्रों की स्थिति का अंतर नहीं है, बल्कि यह दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के चरित्र का जीवंत दस्तावेज है। एक तरफ वह भारत है जो विकास, लोकतंत्र और जनकल्याण के पथ पर अग्रसर है, और दूसरी तरफ वह पाकिस्तानी हुकूमत है जो अपने अवैध नियंत्रण वाले क्षेत्र के निहत्थे नागरिकों की वाजिब आवाजों को दबाने के लिए सैन्य ताकत, अंधाधुंध गोलीबारी और विनाशकारी ड्रोन हमलों का सहारा ले रही है। रावलकोट में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और असैन्य बस्तियों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हालिया ड्रोन हमलों और अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम सात निर्दोष नागरिकों (जिनमें चार मासूम बच्चे भी शामिल हैं) की मौत और 23 से अधिक लोगों का लहूलुहान होना इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि इस्लामाबाद के लिए PoK की जनता केवल एक भौगोलिक बंधक है, जिसके बुनियादी मानवाधिकारों की उसकी नजर में कोई कीमत नहीं है।

रावलकोट के उमर फारूक चौक और बस टर्मिनल के समीप हुए इस हिंसक सैन्य एक्शन की पृष्ठभूमि को समझना बेहद जरूरी है। यह अशांति कोई अचानक उपजा तात्कालिक कानून-व्यवस्था का संकट नहीं है, जैसा कि पाकिस्तानी जनसंपर्क तंत्र इसे स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। असल में, जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के बैनर तले PoK की स्थानीय आबादी पिछले कई महीनों से अपने बुनियादी हकों के लिए शांतिपूर्ण सत्याग्रह कर रही है। उनकी मांगें बेहद बुनियादी और तार्किक हैं—सस्ती बिजली, आटे और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति, उनके अपने जल और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय नियंत्रण, और दमनकारी प्रशासनिक व्यवस्था से मुक्ति। यह अत्यंत हास्यास्पद और क्रूर सच्चाई है कि जिस क्षेत्र की नदियों से पैदा होने वाली पनबिजली से पूरा पाकिस्तान रोशन होता है, उसी PoK के लोग भारी-भरकम बिजली बिलों और अघोषित कटौती के खिलाफ सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। इस लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन का जवाब पाकिस्तान की जनरल आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना ने संवाद से देने के बजाय संगीनों, मिसाइलों और आधुनिक सैन्य ड्रोनों से दिया है। नागरिकों के रिहायशी मकानों को निशाना बनाकर किए गए इन हमलों ने स्थानीय अवाम के भीतर संचित आक्रोश को एक राष्ट्रव्यापी नागरिक विद्रोह में तब्दील कर दिया है। मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से गूंजती प्रतिरोध की अपीलें और सुरक्षा बलों के सामने सीना तानकर खड़ी महिलाएं इस बात का साक्ष्य हैं कि अब वहां का समाज भय की सीमा को पार कर चुका है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी सेना ने कश्मीरियों के खून से अपने हाथ रंगे हैं, लेकिन इस बार रावलकोट में जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया गया, उसने युद्ध के नियमों और मानवाधिकारों की तमाम अंतरराष्ट्रीय संधियों को तार-तार कर दिया है। युद्ध के मैदान में दुश्मनों के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने वाले मिलिट्री ड्रोनों का प्रयोग अपने ही नियंत्रण वाली असैन्य आबादी और बच्चों पर करना एक अक्षम्य युद्ध अपराध (War Crime) की श्रेणी में आता है। स्थानीय नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर दिखाए गए बमों के छर्रे और जली हुई इमारतें अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए आंखें खोलने वाली होनी चाहिए। सूचनाओं के प्रवाह को रोकने के लिए रावलकोट और आसपास के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क तथा इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह ठप कर दिया गया है ताकि सेना की इस क्रूरता की गवाहियां दुनिया के सामने न आ सकें। तथ्य छुपाने की इस हताश कोशिश के बावजूद जो खबरें और वीडियो छनकर बाहर आ रहे हैं, वे दिल दहला देने वाले हैं। जून से अब तक इस खूनी दमन चक्र में 153 से अधिक स्थानीय नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं।

दक्षिण कोरिया...

सरिता वर्मा

उत्तर प्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की नई मंजिल बनेगा, दक्षिण कोरियाई कंपनियों को निवेश का न्योता

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अपनी संभावनाओं को वैश्विक निवेश में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दक्षिण कोरिया की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा में आयोजित गोलमेज बैठक में औद्योगिक सुविधाओं, निवेश नीतियों और प्रस्तावित कोरिया सिटी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। ऑटोमोबाइल कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी जोर रहा। कोरिया वर्ल्ड क्लास एंटरप्राइज एसोसिएशन (ज़ॅब्म्।) का कारोबारी प्रतिनिधिमंडल 12 से 15 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहा। 400 से अधिक कोरियाई कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में उद्योगों के विस्तार और कारोबारी साझेदारी की संभावनाएं तलाशीं।

दक्षिण कोरिया की कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश के कई क्षेत्र सामने आए हैं। सेमीकंडक्टर, विशेष रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, ऑटोमोबाइल कलपुर्जे और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यूनिटेक, हाना माइक्रोन, डोंगजिन सेमिकेम और शिला इंडस्ट्रियल सहित दक्षिण कोरियाई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने बैठक में हिस्सा लिया। कुल 18 कंपनियों की भागीदारी वाली इस बैठक में भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण उद्योगों का विस्तार न केवल औद्योगिक निवेश बढ़ाने, बल्कि तकनीकी सहयोग और रोजगार के नए अवसर तैयार करने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में निवेश से स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं, सहायक उद्योगों और विनिर्माण इकाइयों को भी वैश्विक कारोबारी नेटवर्क से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (न्च्म्स्ब्) ने प्रदेश की इलेक्ट्रॉनिक्स नीति, इन्वेस्ट यूपी ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्प्) नीति और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने उपलब्ध औद्योगिक भूमि की जानकारी दी गयी है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्रस्तावित कोरिया सिटी की योजना प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से निवेशकों को उद्योग स्थापना के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संभावित अवसरों से परिचित कराया गया। कोरिया सिटी की योजना दक्षिण कोरियाई कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। औद्योगिक भूमि और निवेश प्रोत्साहन से जुड़ी सुविधाओं के साथ यह पहल कंपनियों को अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने और भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का अवसर दे सकती है। प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की एफडीआई/एफसीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एवं फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों, निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (ळब्ब्) नीति-2024 की जानकारी भी साझा की। इन नीतियों का उद्देश्य प्रदेश में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने, वैश्विक कंपनियों के लिए कारोबारी अवसर बढ़ाने और रोजगार सृजन को गति देना है।

स्वार्थ और परमार्थ

व्यक्तिगत स्वामित्व का संयम,मान-सम्मान,पूजा-प्रतिष्ठा की कोई आकांक्षा नही,सिर्फ़ और सिर्फ़ अनासक्ति और विरक्ति के भाव आदि - आदि हो । स्वार्थ भावना को जो छोड़कर परमार्थ भाव विकसित कर औरों को आनंद ख़ुशी दे वही महादानी है। स्वार्थ में आसक्ति तो बिना छाया के सूखी लकड़ी है और सदैव संताप देने वाली है , और परमार्थ तो पीपल – वृक्ष के समान छायादार सुख का समुन्दर एवं कल्याण की जड़ है । अतः हम परमार्थ को अपना कर उसी रस्ते पर चलने की कोशिश करें । हम कल के भरोसे न रहें, कब हमारा आयुष्य बंध हो जाये और हम कल के भरोसे इस दुर्लभतम मनुष्य जीवन को गवाँ दें। विज्ञान कहता है की दूसरों की मदद करते हुए यदि दिल में खुशी हो तो वही सेवा हैं बाकी सब दिखावा हैं । और तो और कई वैज्ञानिक विश्लेषण में पाया गया की जो लोग दान देते हैं उन्हें हृदय सम्बंधी समस्याएं कम होती है।क्योंकि दवा से ज़्यादा दुआ काम करती हैं । उदारमना व्यक्ति-परिवार सहजता से व्यापक व विशिष्ट बनते है। श्रम द्वारा अर्जित सम्पदा समाज हित-मानव एवं प्राणी हित में संचय करने से आत्मा प्रफुल्लित और प्रसन्न रहती है। भूमिदान-चिकित्सा दान-शिक्षादान-नेत्रदान-आहार दान-श्रमदान आदि- आदि कोई छोटा या बड़ा नही अपनी शक्ती अनुसार दान संतोष भाव लाता है अहंकार नही। कहते हैं कि स्वार्थ भावना को छोड़कर परमार्थ भाव विकसित कर औरों को आनंद ख़ुशी दे वही परमानंद है। वैसे हमारे नैसर्गिक गुणात्मकता को सामने रखकर अपने कर्तृत्व को अपने दायित्व को उंचा उठाने का बेहतरीन तरीक़ा हैं स्नेह दान-प्रेम दान जो हर संघर्ष से टकराकर भी नित नयी उड़ान भर उज्जवल भविष्य का विश्वास दिलाती हैं । हमारे मज़बूत क़दमों की आवाज़ को आश्वास देती हैं । वैसे दानों में दान अभय दान हैं । वह दान करने से अनाशक्ति से विसर्जन की भावना पुष्ट होती हैं। स्वार्थ और परमार्थ ये दो शब्द हैं । स्वार्थ अपने लिए ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

इसी प्रकार जनपद...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से बलरामपुर में स्वरोजगार को नई उड़ान

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी अभिनव पहल 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जनपद बलरामपुर में शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं के लिए स्वावलम्बन तथा आर्थिक सशक्तीकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। स्वयं का सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने की दिशा में युवाओं का बढ़ता रुझान जनपद के आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। इस योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए जा रहे ब्याजमुक्त और गारंटी-मुक्त वित्तीय सहयोग ने स्थानीय युवाओं में उद्यमशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ किया है। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने तथा आगामी दस वर्षों में दस लाख नए सूक्ष्म उद्यमी तैयार करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस नीति के केंद्र में ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही आजीविका के सम्मानजनक साधन उपलब्ध कराना है। जनपद बलरामपुर जैसे विकासशील एवं आकांक्षी क्षेत्र में इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं के हुनर को उत्पादक कार्यों से जोड़ना, उन्हें स्थानीय स्तर पर ही आत्मनिर्भर बनाना और आजीविका की खोज में होने वाले पलायन पर अंकुश लगाना है।

जनपद बलरामपुर में योजना के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा ठोस कार्ययोजना तैयार कर विभिन्न वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया है। जनपद में इस वित्तीय वर्ष के तहत 1,400 युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया गया। इस निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जिला प्रशासन द्वारा युवाओं के 1,447 आवेदन विभिन्न बैंक शाखाओं को प्रेषित किए गए। अब तक 503 युवाओं को ऋण राशि का प्रत्यक्ष वितरण कर उनके उद्यम स्थापित कराए जा चुके हैं, जबकि 476 अन्य आवेदनों को बैंकों द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। शेष आवेदनों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर समीक्षा की जा रही है। योजना की रूपरेखा युवाओं को वित्तीय जोखिमों से मुक्त रखकर व्यवसाय आरंभ करने की अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करती है। इसके तहत 21 से 40 वर्ष के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थानों से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवा विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में नई सूक्ष्म इकाई स्थापित करने के पात्र हैं। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को पांच लाख रुपये तक की परियोजनाओं के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस ऋण पर चार वर्षों तक शत-प्रतिशत ब्याज अनुदान की व्यवस्था है, जिससे यह पूर्णतः ब्याजमुक्त रहता है। साथ ही, परियोजना लागत का 10 प्रतिशत (अधिकतम 50 हजार रुपये) मार्जिन मनी अनुदान तथा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) का पूरा शुल्क भी सरकार द्वारा वहन किया जाता है। उद्यमों के स्थायित्व और विस्तार को ध्यान में रखते हुए योजना में दूसरे चरण का भी सुव्यवस्थित प्रावधान रखा गया है। प्रथम चरण के ऋण का समयबद्ध और सफल पुनर्भुगतान करने वाले उद्यमी अपने कारोबार के विस्तार के लिए द्वितीय चरण में दस लाख रुपये तक की परियोजना स्थापित करने के पात्र बन जाते हैं। इस चरण में 7.5 लाख रुपये तक के ऋण पर तीन वर्षों के लिए 50 प्रतिशत ब्याज उपादान प्रदान किया जाता है। यह वित्तीय व्यवस्था जनपद बलरामपुर के नवोदित उद्यमियों को अपने व्यापार को स्थानीय स्तर से आगे ले जाकर क्षेत्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाने का अवसर देती है। जनपद में योजना के व्यावहारिक प्रभाव का उत्कृष्ट उदाहरण नगर क्षेत्र के चौक निवासी तरुण सिंह की सफलता है। कोविड-19 के उपरांत लखनऊ से अपनी पढ़ाई पूरी कर घर लौटने के बाद तरुण सिंह ने लगभग तीन वर्षों तक नौकरी की तलाश की, किंतु अनुकूल अवसर नहीं मिल सके। विपरीत परिस्थितियों के बीच उन्होंने गृह जनपद में ही उद्यम स्थापित करने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन के सहयोग से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त कर उन्होंने उतरौला मार्ग स्थित धर्मपुर में एक आधुनिक रेस्टोरेंट की स्थापना की। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए इस उद्यम को उन्होंने अपने प्रबंधन और लगन से आगे बढ़ाया। वर्तमान में उनके रेस्टोरेंट से आठ अन्य स्थानीय नागरिकों की आजीविका भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है।

इसी प्रकार जनपद के खलवा क्षेत्र की श्वेता सिंह ने महिला सशक्तीकरण और व्यावसायिक आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। उन्होंने जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत पांच लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और स्थानीय बाजार की मांग के अनुरूप आर्टिकल व उपहार सामग्रियों की आधुनिक दुकान स्थापित की। वित्तीय संबल मिलने से श्वेता सिंह ने न केवल अपने पैरों पर खड़े होकर आर्थिक स्वावलंबन हासिल किया, बल्कि जनपद की अन्य युवतियों के समक्ष भी यह सिद्ध किया कि सरकारी योजनाओं के सहयोग से महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। जनपद बलरामपुर में योजना की पहुंच प्रत्येक पात्र युवा तक सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सिंगल-विंडो और पारदर्शी व्यवस्था अपनाई गई है। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और युवाओं को घर बैठे आवेदन की सुविधा मिली है। इसके साथ ही युवाओं को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, तकनीकी व व्यावसायिक परामर्श देने और वित्तीय अनुशासन सिखाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। बैंक शाखाओं के साथ समन्वय बनाकर ऋण स्वीकृति से लेकर वितरण तक की समयावधि को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आकांक्षी जनपद की श्रेणी में सम्मिलित बलरामपुर की सामाजिक-आर्थिक संरचना को मजबूत करने में यह योजना उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है।

बोलीं- उनके पास न पलंग, न बिस्तर, गंदगी में रखा जा रहा

आजम से डासना जेल में मिलीं पत्नी तंजीन फातिमा

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। सपा नेता आजम खान से मुलाकात करने पत्नी तंजीन फातिमा दोपहर करीब 12 बजे गाजियाबाद की डासना जेल पहुंचीं। यहां उन्होंने करीब एक घंटे तक वरिष्ठ जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा से बातचीत की। इसके बाद उनकी आजम खान से मुलाकात कराई गई। मुलाकात के बाद तंजीन फातिमा ने कहा, जो असली हालात हैं, वे ठीक नहीं हैं। न बिस्तर है और न ही पलंग। तंजीन फातिमा के साथ उनके बड़े बेटे अदीब आजम और मुंहबोली बेटी एकता कौशिक भी मौजूद रहीं।

वहीं, परिवार के अन्य सदस्य और समर्थक जेल के बाहर ही रहे। जिला प्रशासन ने अन्य बंदियों की तरह ही आजम खान से उनकी मुलाकात कराई। इस दौरान एलआईयू भी अलर्ट रही। आजम खान 1 नवंबर से डासना जेल में बंद हैं। ED ने उन्हें रामपुर जेल के गेट से गिरफ्तार किया था। इसके बाद गाजियाबाद की पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया गया। तंजीन फातिमा ने बताया- हमारा पहला मकसद आजम खान को जेल से बाहर निकालना है। इसके लिए हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। हाईकोर्ट में सुनवाई की तारीख लगी है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही आजम खान जेल से बाहर आएंगे और कोर्ट से इंसाफ मिलेगा। 1 नवंबर को ED ने आजम खान को गाजियाबाद की विशेष PMLA कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया। कोर्ट में पेशी के दौरान जब आजम खान ने कार की खिड़की खोली तो मीडिया ने उनसे पूछा- कुछ बोलेंगे नहीं।

बोलीं- आजम खान को गंदगी में रखा गया

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को फर्जी पैन कार्ड मामले में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की 10 साल की सजा निलंबित कर जमानत दी थी। 31 अक्टूबर को दोनों रामपुर जेल से रिहा हुए थे। हालांकि, जेल से बाहर आते ही ED ने आजम खान को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला आजम घर चले गए। ED आजम खान को सीधे दिल्ली स्थित अपने हेड ऑफिस ले गई। वहां उनसे जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी धन के कथित इस्तेमाल को लेकर 50 से ज्यादा सवाल पूछे गए।

बोलीं- आजम खान को गंदगी में रखा गया

आजम खान से मुलाकात के बाद उनकी पत्नी और पूर्व राज्यसभा सांसद तंजीन फातिमा ने जेल में उनके हालात पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- जो व्यक्ति 10 बार विधायक रह चुका है। राज्यसभा और लोकसभा का सांसद रहा है, उसे जेल में गंदगी के बीच रखा गया है। मैं खुद भी राज्यसभा सांसद रह चुकी हूं। तंजीन फातिमा ने कहा कि आजम खान को इस तरह रखा गया है, जैसे वह कहीं भाग जाएंगे। कातिल तो खुलेआम घूमता है, लेकिन आजम साहब के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है।

एमआईईटी की टीम ने जीता 30वां स्टूडेंट मैनेजमेंट गेम्स

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी बिजनेस स्कूल की ओर से ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईए-मए) के सहयोग से आयोजित 30वें स्टूडेंट मैनेजमेंट गेम्स (एसएमजी)-2026 का समापन हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों के प्रबंधन के विद्यार्थियों ने बिजनेस सिमुलेशन के जरिए अपनी व्यावसायिक समझ, रणनीतिक कौशल, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एमआईईटी बिजनेस स्कूल की नैना धीमान और निपुण गर्ग की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। एसआरएमएस सीईटी, बरेली की टीम प्रथम उपविजेता रही, जबकि एमआईईटी की ही भाव्या जिंदल, दिव्या रानी, दिविज और दिव्यम मित्तल की टीम ने दूसरा उपविजेता स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली विजेता टीमों ने एआईएमए स्टूडेंट मैनेजमेंट गेम्स के राष्ट्रीय चरण के लिए भी क्वालीफाई किया है। अब ये टीमें राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने संस्थानों का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस दौरान चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ संजय कुमार सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ संजीव सिंह,हेड बिज़नेस स्कूल डॉ मधुबाला शर्मा ने बधाई दी।

फास्ट न्यूज

ओडीओपी बना आत्मनिर्भरता का मॉडल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास की रणनीति बड़े उद्योगों और निवेश के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर भी केंद्रित है। (ओडीओपी) योजना प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों के आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनी है।

आजमगढ़ में कार ने टेंपो में मारी टक्कर-3 की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ के फूलपुर में शुक्रवार को तेज रफ्तार कार ने सवारियों से भरे टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। बेलसिया गांव के पास ओवरटेक करने के प्रयास में हुए हादसे में टेंपो के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

वाराणसी कोर्ट से साइबर फ्रॉड के आरोपी को जमानत

वाराणसी। वाराणसी में इंश्योरेंस पॉलिसी पर बोनस देने और ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर 11.72 लाख रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में आरोपी को अदालत से राहत मिल गई। जिला एवं सत्र न्यायालय के जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने सिकंदरा-बाद, आगरा निवासी देवेश प्रताप सिंह उर्फ देवेश धाकरे की जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

दीपावली और छठ पूजा पर अलर्ट मोड में रहेंगे मेडिकल कॉलेज

तमसा संकेत, संवाददाता

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता, त्योहारों पर हर नागरिक को मिले त्वरित और बेहतर उपचार।
- आगजनी, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश।
- डॉक्टरों की ड्यूटी से लेकर दवाओं और जीवनरक्षक उपकरणों की उपलब्धता तक की होगी निगरानी।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान संभावित दुर्घटनाओं, आग लगने की घटनाओं, सड़क हादसों और अन्य आपात परिस्थितियों को देखते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों तथा संबद्ध चिकित्सालयों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि त्योहारों के दौरान किसी भी नागरिक को आपात चिकित्सा सुविधा के लिए भटकना न पड़े और जरूरत पड़ने पर उसे तत्काल उपचार उपलब्ध हो। महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण नेहा शर्मा ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों को चिकित्सा सेवाओं, मानव संसाधन, दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और आपातकालीन व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

श्रावस्ती में दिवाली पर खपाने थे 1.74 लाख के नोट, यू-ट्यूब से सीख तरीका

राइस मिल में छापते थे नकली नोट, एसटीएफ ने पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रावस्ती। श्रावस्ती में नकली नोट छापने वाला गिरोह पकड़ा गया है। एसटीएफ ने तीन आरोपियों से 1 लाख 74 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। ये नोट दिवाली पर मार्केट में खपाने की तैयारी थी। आरोपियों ने यूट्यूब से नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था। तीनों एक राइस मिल में नकली नोट छाप रहे थे। सूचना के बाद एसटीएफ ने गुरुवार को छापा मारा। रात 11 बजे तक छापेमारी होती रही। जिसके बाद शुक्रवार दोपहर एक बजे मामले का खुलासा किया गया। पूरा मामला जिला मुख्यालय से करीब 42 किमी दूर मल्हीपुर रोड स्थित गिरिराज राइस मिल का है। श्रावस्ती के थाना इकौना के गांव भावनापुर बनकट का रहने वाला बृजेन्द्र गोस्वामी, पुत्र उदयराज गोस्वामी अपने दो दोस्तों गिरिराज शंकर जायसवाल, पुत्र छोटे लाल जायसवाल, निवासी शिवनगर और नरेन्द्र कुमार चौरसिया, पुत्र सुखराम चौरसिया, निवासी ग्राम लालबोझी, पोस्ट भटपुरवा मिलकर ये गैंग चला रहे थे। पूछताछ में आरोपी बृजेंद्र ने बताया - दीपावली का त्योहार नजदीक होने के कारण बाजार में नकली नोट खपाने की योजना बनाई गई थी। इसके लिए दुकानदारों से सामान और जेवरात खरीदने और जुआ खेलने के बहाने नोटों को खपाना था। एसपी राहुल भाटी ने बताया- आरोपियों ने नकली नोट तैयार करने के लिए सामग्री जुटाई। कैनन कलर प्रिंटर, कागज के बंडल मिल में पहुंचाए गए। ताकि मिल के कारण किसी को शक न हो। एसटीएफ लखनऊ की टीम को सूचना मिली कि राइस मिल में नकली नोट बनाने का धंधा चल रहा है। एसटीएफ ने थाना सोनवा पुलिस को अलर्ट किया।

एसपी राहुल भाटी ने बताया- तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके नेटवर्क का पता कराया जा रहा है। तीनों ने एक लाख 74 हजार के नकली नोट बरामद किए गए हैं।

थाने की पुलिस के साथ मिलकर छापा मारा

थाने के प्रभारी निरीक्षक विष्णुदेव पाण्डेय, एसटीएफ के SI विनोद कुमार सिंह, अशोक कुमार गुप्ता, राजेश मौर्य, थाना सोनवा के चौकी प्रभारी चंद्रभान बुजुर्ग की टीम ने मिलकर गुरुवार की दोपहर एक बजे छापा मार दिया। सभी आरोपियो को नोट छापते हुए पकड़ा गया। इसके बाद रात करीब 11 बजे तक छापेमारी चलती रही। उसके बाद रात को ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी बृजेन्द्र गोस्वामी के खिलाफ पहले से थाना इकौना में 6 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

रामकथा पार्क में सीडीओ, राम की पैड़ी पर एडीएम संभालेंगे व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी

उप राष्ट्रपति के आगमन से दीप प्रज्ज्वलन तक, रामनगरी में मजिस्ट्रेटों को अलग-अलग कमान

- एयरपोर्ट से रामजन्मभूमि और नया घाट तक विशिष्ट अतिथियों के आवागमन पर नजर
- शोभायात्रा, संत दीर्घा और सांस्कृतिक मंच के लिए अलग-अलग अधिकारी तैनात
- दीपोत्सव में भीड़ प्रबंधन, यातायात और अतिथियों की सुविधा पर प्रशासन का विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। दीपोत्सव के प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने स्थलों के हिसाब से जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीरामज-न्मभूमि परिसर, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की तैनाती की गई है। पांच नवंबर को जारी संशोधित आदेश में आयोजन स्थलों, शोभायात्रा, अतिथि दीर्घाओं और यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए अलग-अलग मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्था की कमान संभालेंगे।

राम कथा पार्क में अयोध्या के कलाकारों द्वारा रामायण का मंचन

मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी की व्यवस्थाओं के लिए अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे। यहां मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संत समाज की दीर्घा और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग-अलग अधिकारियों के जिम्मे रहेगी। दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित समस्त कार्य अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश के नेतृत्व में होंगे। विशिष्ट अतिथियों के आगमन से लेकर दर्शन-पूजन और कार्यक्रम स्थलों तक आवागमन के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह एयरपोर्ट से नया घाट होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक मार्ग व्यवस्था और शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साकेत महाविद्यालय बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है। उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी और अन्य अधिकारी यात्रा के अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थाएं संभालेंगे।

दीपोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग और आवागमन की व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी। राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल और प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। नया घाट स्थित सरयू आरती स्थल की संपूर्ण व्यवस्था अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा और उप जिला मजिस्ट्रेट पवन कुमार शर्मा संभालेंगे। वहीं संपूर्ण यातायात व्यवस्था अपर जिलाधिकारी इंद्राकांत द्विवेदी के जिम्मे रहेगी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दीपोत्सव में श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा तथा सुरक्षा प्राथमिकता है।

'शुद्ध ही शुभ है' अभियान का सकारात्मक असर

सुधार के बाद 86 प्रतिष्ठानों को फिर मिली कारोबार की अनुमति

- 112 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित, कमियां दूर करने पर 86 को राहत
- विभाग की कार्रवाई का उद्देश्य कारोबार बंद कराना नहीं, खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना
- आयुक्त के निर्देश पर त्योहारों के मद्देनजर 15 नवंबर तक नियमित प्रवर्तन कार्रवाई स्थगित, जागरूकता और सुधार का अभियान रहेगा जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, शुद्धता और सुरक्षित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की ओर से चलाए जा रहे 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इसका उदाहरण है कि जिन 112 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए थे, उनमें से 86 के लाइसेंस कमियां दूर करने और विभागीय सत्यापन में सुधार की पुष्टि होने के बाद बहाल कर दिए गए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि विभाग की मंशा केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं, बल्कि खाद्य कारोबारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित करना भी है। 17 सितंबर से शुरू हुए इस अभियान के तहत 5 नवंबर तक प्रदेशभर में कुल 3,035 निरीक्षण किए गए।

गोरखपुर में बना प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय

योगी सरकार ने साढ़े नौ वर्षों में मजबूत किया आयुष का ढांचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को नई पहचान देने और उनकी पहुंच आम लोगों तक बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों के शैक्षणिक, चिकित्सकीय और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में आयुष सेवाओं को एकीकृत व्यवस्था के तहत संचालित करने के लिए वर्ष 2017 में अलग आयुष विभाग का गठन किया गया। इससे पहले आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी सेवाएं अलग-अलग विभागीय व्यवस्थाओं के तहत संचालित होती थीं। नए विभाग के गठन के बाद इन चिकित्सा पद्धतियों के विकास, विस्तार और बेहतर संचालन के लिए एक साझा प्रशासनिक व्यवस्था तैयार हुई। सरकार ने आयुष चिकित्सा को केवल पारंपरिक उपचार तक सीमित रखने के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में काम किया है। इसके तहत चिकित्सा शिक्षा, अस्पतालों और ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया गया। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि आयुष चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। करीब 52 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस विश्वविद्यालय की आधारशिला अगस्त 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रखी थी। जुलाई 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसका उद्घाटन किया। यह प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय है। इसके माध्यम से आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा को एकीकृत व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय से करीब 100 आयुष महाविद्यालय संबद्ध हैं। यहां बीएएमएस, बीयूएम-एस और बीएचएमएस सहित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई और परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

यूपी में मतदाता सूची से छूटे लोगों को जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान

औद्योगिक संस्थानों से लेकर आवासीय सोसाइटी और मलिन बस्तियों तक लगेंगे पंजीकरण शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए अभियान को व्यापक बनाया जाएगा। इसके लिए अब सरकारी विभागों के साथ सामाजिक, व्यावसायिक और गैर सरकारी संगठनों की भी मदद ली जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रदेश के सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शत-प्रति-शत दर्ज कराना है। इसके लिए जिलों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), निजी औद्योगिक संस्थानों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसि-एशन (आरडब्ल्यूए), बार एसोसि-एशन, अधिवक्ता संगठनों, नागरिक सुरक्षा संगठनों, श्रमिक और व्यापारिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। सार्वजनिक उपक्रमों और निजी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले पात्र कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए कार्यस्थलों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। वहीं, आवासीय सोसाइटियों, बहुमंजिला अपार्टमेंट और कॉलोनियों में आरडब्ल्यूए की मदद से पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा।

इसमें नए निवासियों, पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और अब तक किसी कारण से मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके पात्र नागरिकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन शिविरों के जरिए लोगों को पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी भी दी जाएगी। नागरिक सुरक्षा संगठनों के स्वयंसेवकों की मदद से शहरी क्षेत्रों, घनी आबादी वाले मोहल्लों और मलिन बस्तियों में मतदाता सूची से छूटे पात्र लोगों की पहचान की जाएगी।

एमआईईटी स्कूल में बच्चों ने रामायण का मंचन कर दिया संस्कृति और संस्कारों का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल, जागृति विहार में कक्षा पांच के विद्यार्थियों ने कक्षा प्रस्तुति के दौरान नृत्य, नाटक और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रामायण पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें बच्चों ने राम, सीता और लक्ष्मण सहित प्रमुख पात्रों का मंचन कर सत्य, धर्म, त्याग और मर्यादा का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चैयरमेन विष्णु शरण , मैनेजर बरखा अग्रवाल और प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों ने नैतिक कहानियों के माध्यम से अंग्रेजी संवाद कौशल का प्रदर्शन किया, जबकि अबेकस गतिविधि में अपनी गणना क्षमता और एकाग्रता का परिचय दिया। दीपावली पर आधारित डांडिया नृत्य ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। रामायण के विभिन्न प्रसंगों के मंचन के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों को अभिभावकों ने सराहा। विद्यालय चेयरमैन विष्णु शरण ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने बच्चों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन उनके आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

कार्यक्रम का संचालन कोऑर्डि-नेटर शिखा सचदेवा, कक्षा अध्यापिकाओं साक्षी और शैली शर्मा सहित शिक्षकों के सहयोग से किया गया।

बीजेपी वाले छाती पीटकर रोए, मेयर ने पुलिस बुलाई, बसपा पार्षद को निष्कासित किया

आगरा नगर निगम की बैठक में माइक तोड़ा

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा नगर निगम के 17वें अधिवेशन में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। बैठक शुरू होते ही भाजपा और बसपा पार्षद आमने-सामने आ गए। बसपा पार्षद सुनील शर्मा ने पहले बात रखने की बात कही। लेकिन मेयर हेमलता दिवाकर ने उन्हें बाद में बोलने को कहा। इस पर वह भड़क गए। हंगामा शुरू हो गया। इसी दौरान बसपा पार्षद यशपाल सिंह ने माइक उठाकर जमीन पर फेंक दिया। सुनील शर्मा ने आंखों पर काली पट्टी बांध ली। वह वेल में जाकर बैठ गए। उनके समर्थन में बसपा के अन्य पार्षद भी वेल में धरना-प्रदर्शन करने लगे। हंगामा बढ़ा तो मेयर को पुलिस बुलानी पड़ी। फिर मेयर ने

बसपा पार्षद को निष्कासित कर दिया। वहीं भाजपा पार्षदों ने माइक की प्रतीकात्मक अर्थी बनाई। फूलों का हार चढ़ाया। फिर छाती पीट-पीटकर रोने लगे। मेयर ने समझाने की कोशिश की। लेकिन हंगामा शांत नहीं हुआ। मेयर गुस्से में उठकर सदन से बाहर चली गईं। फिर कुछ देर बाद बसपा पार्षद मेयर को मनाकर सदन ले आए। हंगामे के दौरान भाजपा पार्षदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' के नारे लगाए। इसके जवाब में बसपा पार्षद अपनी मांगों को लेकर

माइक फेंकने पर मेयर ने किया निष्कासित

दोपहर करीब 12 बजे निगम सभागार में मेयर हेमलता दिवाकर पहुंची। उन्होंने कार्रवाई शुरू करने के लिए कहा। तभी बसपा पार्षद सुनील शर्मा ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने अपनी बात रखने की मांग की। उनके समर्थन में बसपा के अन्य पार्षद भी वेल में पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। दोनों दलों के बीच बहस शुरू हो गई। बसपा दल के नेता यशपाल सिंह ने विरोध करते हुए माइक उठाकर जमीन पर पटक कर तोड़ दिया। माइक टूटते ही सदन में हंगामा और बढ़ गया। हंगामे के बीच मेयर ने अनुशासनहीनता के आरोप में यशपाल सिंह को पूरी सदन की कार्यवाही से निष्कासित कर दिया। इस फैसले के बाद बसपा पार्षदों का विरोध और तेज हो गया। बसपा पार्षद सुनील शर्मा ने कहा कि उनके दल के 25 पार्षदों पर एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्हें जेल भेजा जाए। हम सब इसके लिए तैयार हैं। उनका आरोप था कि बसपा पार्षदों को सदन में अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

प्रदर्शन करते रहे। दोनों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। हंगामा बढ़ता देख मेयर को पुलिस बुलानी पड़ी। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने टूटे हुए माइक की प्रतीकात्मक अर्थी निकाली। भाजपा पार्षद राकेश कनौजिया ने माइक की अर्थी पर माला चढ़ाकर शोक जताया। फिर पार्षद छाती पीट पीटकर रोने लगे। मेयर ने

उन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन हंगामा नहीं रुका। इसके बाद वह सदन से उठकर चली गईं। कुछ देर बाद बसपा पार्षद मेयर को मनाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि हंगामे से ज्यादा जरूरी लोगों की समस्याओं पर बात करना है।

मेयर ने उन्हें बैठने और बाद में बोलने को कहा, लेकिन वह नहीं बैठे। वह अपनी बात पर अड़ गए। इसको लेकर भाजपा और बसपा पार्षद आमने-सामने आ गए। विरोध में सुनील शर्मा ने आंखों पर काली पट्टी बांध ली और वेल में जाकर बैठ गए।

बंद कोचिंग के अंदर मिला टीचर का शव

मैथ पढ़ाते थे, मंगलवार से बंद थी, स्कूल भी नहीं पहुंचे

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा। आगरा में कोचिंग के अंदर गणित के टीचर का शव मिला। शव कई दिन पुराना लग रहा है। टीचर की पहचान ओपी यादव के रूप में हुई है। वह शिवालिक स्कूल में गणित के शिक्षक थे और आवास विकास चौकी क्षेत्र के बीएस प्लाजा स्थित सेमी बेसमेंट में कोचिंग चलाते थे। मंगलवार से कोचिंग बंद थी और ओपी यादव स्कूल भी नहीं पहुंचे थे। घटना जगदीशपुरा थाना क्षेत्र की है। शिक्षक ओपी यादव आवास विकास सेक्टर-3 स्थित बीएस प्लाज़ा के भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर छात्रों को गणित की ट्यूशन पढ़ाते थे। सोमवार के बाद से ही उनका मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा था। मंगलवार को जब छात्र पढ़ाई के लिए पहुंचे, तो कोचिंग सेंटर पर ताला लगा मिला। शुक्रवार सुबह

जब मार्केट के अन्य दुकानदारों और स्थानीय लोगों को कोचिंग सेंटर के भीतर से तेज दुर्गंध महसूस हुई, तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अनहोनी की शंका होते ही लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही जगदीशपुरा थाना पुलिस की टीम तुरंत बीएस प्लाज़ा पहुंची और कोचिंग सेंटर का दरवाजा खोलकर जांच शुरू की। अंदर शव काफी हद तक क्षत-विक्षत हालत में मिला, जिससे कई दिनों पुराना होने की आशंका है। डीसीपी सिटी रविंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे।

फास्ट न्यूज

अयोध्या दीपोत्सव को लेकर डायवर्जन

गोरखपुर। गोरखपुर में अयोध्या में 7 नवंबर को श्रीराम मंदिर पर आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम को देखते हुए गोरखपुर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। 6 नवंबर की रात 11 बजे से 8 नवंबर की रात आठ बजे भीड़ समाप्त होने तक भारी वाहनों (ट्रक, डीसीएम और बस) का डायवर्जन लागू रहेगा। जिन्हें लखनऊ, कानपुर, दिल्ली या उससे आगे जाना है।

मथुरा में पकड़ी 25 क्विंटल खराब पनीर

मथुरा। मथुरा में दिवाली से पहले मिलावटी पनीर की बड़ी खेप पकड़ी गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर बठैन गेट चौकी के पास एक पिकअप को रोका। इसमें 25 कुंतल पनीर भरा हुआ था। टीम ने पनीर के दो सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे और बाकी पनीर को मौके पर ही नष्ट करा दिया। जब्त पनीर की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है। रात करीब 1:30 बजे टीम ने UP 85 CT 4449 नंबर की पिकअप को रोककर जांच की। गाड़ी में 2500 किलो पनीर भरा मिला।

बर्खास्त फायरमैन ने गोरखपुर मठ जलाने की दी धमकी

आगरा। आगरा के बर्खास्त फायरमैन जितेंद्र राठौर ने UP-112 पर कॉल करके सीएम योगी के गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मठ में आग लगाने की धमकी दी है। धमकी भरी कॉल मिलते ही गोरखपुर और आगरा पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस अब कॉल की लोकेशन, नंबर और रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है।

फिरोजाबाद में गैंगरेप के बाद बच्ची की मौत

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में गैंगरेप पीड़िता किशोरी की आगरा मेडिकल कॉलेज में इलाजे के दौरान मौत हो गई। घटना 1 नवंबर की है। इस मामले में पुलिस तीन आरोपियों को जेल भेज चुकी है। 2 नंवबर को पुलिस ने 2 सगे भाइयों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा था। 3 नवंबर को तीसरे आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया गया था। मामला जिला मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दूर खैरगढ़ थाना क्षेत्र का है। शुक्रवार शाम पुलिस की मौजूदगी में किशोरी का परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। खैरगढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली किशोरी घर पर ही रहती थी। उसके परिवार में तीन भाई और चार बहनें हैं। चार बहनों में वह तीसरे नंबर पर थी। उसके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। 31 अक्टूबर को किशोरी घर से शौच के लिए निकली थी। पहले से ही मुख्य आरोपी ऋषि (22) अपने सगे भाई जगत (24) और दोस्त शिवांश उर्फ आशिक (21) के साथ घात लगाकर बैठा था।

पहले चरण में 4 किमी एलिवेटेड रोड, मेट्रो की संभावना को ध्यान में रखकर बनेगी डीपीआर

मथुरा-वृंदावन के पुराने रेल ट्रैक पर बनेगी फोरलेन सड़क

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुराने रेल ट्रैक पर फोरलेन सड़क बनाने की तैयारी है। करीब 12 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को सड़क कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण डीपीआर तैयार कर रहा है। पहले चरण में मथुरा के मछली फाटक से मसानी तक करीब 4 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड सड़क बनाई जाएगी। शुक्रवार शाम वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ

विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन और नगर आयुक्त ओजस्वी राज समेत अधिकारियों ने योजना पर चर्चा की।

- **प्रथम चरण में मथुरा क्षेत्र के मछली फाटक से मसानी तक करीब चार किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा।**
- **विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि इस सड़क मार्ग के विकसित होने से मथुरा-वृंदावन के बीच आवागमन के लिए एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा।**

150 साल पुरानी रेल लाइन खत्म होने से नाराज लोग

पुराने रेल ट्रैक पर सड़क बनाने की तैयारी से वृंदावन के लोग नाराज हैं। स्थानीय लोग सोशल मीडिया पर अपना विरोध जता रहे हैं। उनका कहना है कि करीब 150 साल पुरानी रेल लाइन वृंदावन की पहचान थी। ब्रॉडगेज के नाम पर पहले ही रेल ट्रैक हटा दिया गया और अब उस पर सड़क बनाई जा रही है। लोगों का कहना है कि इससे वृंदावन की पुरानी पहचान पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

मेट्रो की संभावना को ध्यान में रखकर बनेगी सड़क

प्रस्तावित सड़क पर पार्किंग और व्यावसायिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। योजना में भविष्य में मेट्रो चलाने की संभावना का भी ध्यान रखा जा रहा है। इसके जरिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान, बिहारी जी मंदिर और मसानी के पास नेशनल हाईवे को बेहतर कनेक्टिविटी देने की योजना है। एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि सड़क बनने से मथुरा-वृंदावन के बीच आवागमन का एक अतिरिक्त रास्ता मिलेगा।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में धन्वंतरि पूजन

रामपुर। रामपुर के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर में भगवान धन्वंतरि का पूजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय परिसर में भगवान धन्वंतरि के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी गंगवार ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। कार्यक्रम में चिकित्सालय के कर्मचारियों ने भी पूजा-अर्चना में भाग लिया।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षक राजीव कुमार, अर्चना गुप्ता और अरुण कुमार मौजूद रहे। चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी गंगवार ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। कार्यक्रम में चिकित्सालय के कर्मचारियों ने भी पूजा-अर्चना में भाग लिया।

बागेश्वर धाम के समर्थन में संतों की बैठक, लगाए नारे

बोले- धीरेंद्र शास्त्री को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में शुक्रवार को दूसरे दिन भी साधु संत और धर्माचार्यों की बैठक हुई। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थन में हुई इस मीटिंग में धर्माचार्य और साधु संतों ने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुछ भी गलत नहीं कहा। उनके बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कुछ सनातन विरोधी लोग उनका विरोध कर रहे हैं। साधु संतों ने कहा कि सभी साधु संत और धर्माचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थन में हैं। बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थन में धर्मनगरी वृंदावन का संत समाज और जाने-माने धर्माचार्य खुलकर मैदान में आ गए हैं। वृंदावन में आयोजित संत , धर्माचार्यों व कथावाचकों की एक अहम बैठक के दौरान संतों ने संतों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के जोरदार नारे लगाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। बैठक में धर्माचार्यों ने एक स्वर में कहा कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री का बयान गलत नहीं है, बल्कि समस्या उन लोगों की है जो उनके अर्थ को समझ नहीं पा रहे हैं। संतों ने स्पष्ट किया कि भगवान राम का अवतार मर्यादा की स्थापना और श्रीकृष्ण का जन्म लीलाओं के लिए हुआ था,दोनों के प्रसंगों में अंतर स्वाभाविक है। संतों ने आरोप लगाया कि सोची-समझी रणनीति के तहत सनातन धर्म और संतों को लगातार टारगेट किया जा रहा है, भारत में इस्लामी और ईसाईकरण जोरों पर है जो लोग विरोध कर रहे हैं उनके इस्लामी ईसाईकरण में सबसे बड़ी बाधा संत धर्माचार्य हैं।

बाजारों में ई-रिक्शा-ऑटो की एंट्री बंद, खरीदारों के लिए तय की गई पार्किंग

11 नवंबर तक ट्रैफिक डायवर्जन

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में यातायात डायवर्जन लागू किया है। यह व्यवस्था 11 नवंबर तक प्रभावी रहेगी। इसके तहत शाहगंज, एमजी रोड और पुराने शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रहेगी। घने बाजारों में ऑटो और ई-रिक्शा के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ और जाम की स्थिति से निपटने के लिए अलग-अलग रूट तय किए हैं। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित मार्गों का इस्तेमाल करें और प्रतिबंधित रास्तों पर जाने से बचें। सूरसदन से दीवानी गोल चक्कर के बीच यातायात रोक-

रोककर चलाया जाएगा। सड़क किनारे वाहन खड़ा करने पर रोक रहेगी। नो-पार्किंग में खड़े वाहनों को क्रेन से उठाया जाएगा। पुराने शहर के घने बाजारों में भीड़ को देखते हुए कई मार्गों पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सुभाष बाजार पुलिस चौकी, चिम्मन पूड़ी तिराहा और मदीना होटल तिराहा से सुभाष बाजार, लोहारगली, रावतपाड़ा, सेठ गली, जौहरी बाजार और नमक की मंडी होते हुए फुव्वारा चौराहे तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। खरीदारी के लिए आने वाले लोग अपने वाहन फोर्ट स्टेशन पार्किंग में खड़े कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें बाजारों तक पैदल जाना होगा।

पुराने शहर में इन रास्तों से निकलेंगे वाहन

- **चिम्मन पूड़ी तिराहा से:** कश्मीरी बाजार और फुव्वारा की ओर जाने वाले तीन-चार पहिया वाहन रावतपाड़ा, नमक की मंडी और किनारी बाजार नहीं जाएंगे। ये पीपल मंडी, दरेसी नंबर-1, काला महल और गुदड़ी मंसूर खां होकर निकलेंगे।
- **पीपल मंडी तिराहा से:** रावतपाड़ा तिराहे की ओर तीन-चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। वाहन चिम्मन पूड़ी होकर जाएंगे।
- **घटिया आजम खां से:** फुव्वारा और कश्मीरी बाजार की ओर जाने वाले वाहन धुलियागंज, गुदड़ी मंसूर खां और काला महल चौराहे से होकर निकलेंगे।
- **सिंधी मार्केट चर्च गेट से:** तीन-चार पहिया वाहन गुड़ की मंडी और फुलट्टी होकर छिली ईंट व घटिया आजम खां जा सकेंगे।
- **हॉस्पिटल रोड से:** व्यास मेडिकल स्टोर तिराहे से सिंधी बाजार, पीपल गेट होते हुए फुव्वारा तक तीन-चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- **चर्च गेट से:** हॉस्पिटल रोड तिराहे से फुव्वारा की ओर तीन-चार पहिया वाहन नहीं जा सकेंगे।

एमजी रोड पर बसों के लिए तय किए गए रूट

स्पीड कलर लैब से दीवानी चौराहे के बीच यातायात नियंत्रित रहेगा।

सूरसदन से भगवान टॉकीज की ओर जाने वाली बसें सूरसदन तिराहे से वजीरपुरा, पालीवाल पार्क गेट, विजय नगर पुलिस चौकी और सुल्तानगंज की पुलिया होकर जाएंगी। भगवान टॉकीज से सूरसदन आने वाली बसें सुल्तानगंज की पुलिया चौराहा, विजय नगर पुलिस चौकी और पालीवाल पार्क गेट से कॉसमॉस मॉल तिराहा होकर सूरसदन पहुंचेंगी। दूसरा विकल्प सेंट पीटर्स कॉलेज, पानी की टंकी तिराहा और हरीपर्वत चौराहा का रहेगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

पंजाब में यात्रियों से ...

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। हादसा दोपहर करीब सवा 1 बजे हुआ। सरकारी रेलवे पुलिस ने बताया कि कोच के पंखे में शॉर्ट सर्किट होने के कारण यह घटना हुई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ट्रेन में लगभग 1,500 यात्री सवार थे अंबाला मंडल के सीनियर डीसीएम यशनजीत सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। हादसे के बाद यात्रियों से करीब 500 मीटर दूर स्थित नजदीकी स्टेशन पहुंचने को कहा गया। यहां से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए दो स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। उन्होंने बताया कि आग से तीन कोच पूरी तरह प्रभावित हुए, जबकि चौथा कोच भी आंशिक रूप से चपेट में आया। ये ट्रेन अनारक्षित थी। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, उत्तरी रेलवे के CPRO हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि सराय बंजारा स्टेशन के पास ट्रेन का सेफ्टी सिस्टम सक्रिय होने के बाद ट्रेन रुक गई।

दिल्ली प्रदूषण ...

जब लोग स्वयं प्रदूषण कम करने की जिम्मेदारी समझें। केवल प्रतिबंध लगाकर समस्या को पूरी तरह नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में कुछ आदेश जारी करेगी। अब मामले की अगली सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद 16 नवंबर को होगी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और अन्य संबंधित अधिकारियों की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों को ध्यान में रखते हुए पांच क्षेत्रों में नियम और नियंत्रण संबंधी प्रावधान बनाए गए हैं।

इनमें उद्योगों से निकलने वाला धुआं, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ के दौरान उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल और पराली जलाने की समस्या शामिल है। इन सभी स्रोतों पर नियंत्रण के लिए अलग-अलग स्तर पर उपाय किए जा रहे हैं। ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि गुरुवार को दिल्ली के कुल प्रदूषण में पराली जलाने की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही। इससे साफ है कि पराली का धुआं भी दिल्ली की हवा को प्रभावित करने वाले कारकों में शामिल है। हालांकि प्रदूषण के अन्य स्रोतों पर भी नियंत्रण करना जरूरी है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता और न्याय मित्र (अमिकस क्यूरी) अपराजिता सिंह ने अदालत को दिल्ली की वायु गुणवत्ता की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी के आसपास बना हुआ है। उन्होंने स्थिति की गंभीरता समझाने के लिए कहा कि ऐसी हवा में सांस लेना मानो कोई व्यक्ति रोजाना 30 सिगरेट पी रहा हो। यह तुलना प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित गंभीर प्रभावों को रेखांकित करने के लिए पेश की गई। खराब हवा के कारण बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को विशेष जोखिम रहता है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में वायु गुणवत्ता का स्तर बेहद खराब बना हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, रोहिणी में सबसे अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 475 दर्ज किया गया। वहीं, आईआईटी दिल्ली क्षेत्र में एक्यूआई 472 रहा। ये आंकड़े राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में प्रदूषण की गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं। एक्यूआई का स्तर बढ़ने के साथ हवा में मौजूद प्रदूषकों का प्रभाव भी बढ़ता है। ऐसे हालात में लंबे समय तक बाहर रहने और प्रदूषित हवा में सांस लेने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। अदालत में पेश स्थिति से यह भी स्पष्ट हुआ कि प्रदूषण की समस्या किसी एक कारण तक सीमित नहीं है। उद्योगों, वाहनों, निर्माण गतिविधियों, सड़क की धूल और पराली जलाने जैसे कई स्रोत मिलकर हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान एक याचिका में मांग की गई कि जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) निर्धारित स्तर से ऊपर पहुंच जाए, तो सभी उम्र के बच्चों के लिए स्कूल बंद कर दिए जाएं या पढ़ाई हाइब्रिड मोड में कराई जाए। याचिका में प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए इस तरह का प्रावधान करने की मांग उठाई गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर फैसला करेगी। यानी स्कूलों को बंद करने या ऑनलाइन और ऑफलाइन पढ़ाई का विकल्प लागू करने के संबंध में अदालत विशेषज्ञों की सलाह को ध्यान में रखेगी। बच्चों को प्रदूषण के संपर्क से बचाने का सवाल इसलिए भी अहम है, क्योंकि खराब हवा का असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। हालांकि, स्कूल बंद करने जैसे व्यापक फैसले के लिए अदालत विशेषज्ञों की राय और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए वह कुछ आदेश जारी करेगा। अदालत की टिप्पणियों से संकेत मिला कि केवल प्रतिबंधों पर निर्भर रहने के बजाय जागरूकता और नागरिकों की जिम्मेदारी को भी प्रदूषण नियंत्रण की रणनीति का हिस्सा बनाना होगा। अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी। इसमें प्रदूषण नियंत्रण के उपायों, स्कूलों से जुड़े सुझाव और विशेषज्ञों की राय जैसे मुद्दों पर आगे विचार किया जा सकता है। दिल्ली की बिगड़ती हवा के बीच अदालत की यह सुनवाई प्रदूषण से निपटने के लिए सरकारी व्यवस्था और आम लोगों की भूमिका, दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

7 राज्यों में ड्राफ्ट वोटर...

31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में करीब 97.53 लाख नाम शामिल किए गए। इस तरह लगभग 47.57 लाख नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर रहे। अगर आपका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं है और आपको ASDD बताया गया है, तो घबराएं नहीं। BLO आपके घर फिर आएगा या आप दावा-आपत्ति के दौरान फॉर्म भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इसके लिए आपको अपना आधार, वोटर आईडी और पते का प्रूफ रखना होगा। बिहार में SIR के दौरान लाखों नाम कटने पर विपक्ष ने हंगामा किया था। अब 7 राज्यों में उसी तरह की शिकायतें आ रही थीं कि जिंदा लोगों को मृत बता दिया गया, जो बाहर गए हैं उन्हें गैरमौजूद बता दिया गया। आयोग का ये फैसला उन शिकायतों के बाद आया है। इससे पहले 3 नवंबर को आयोग ने एक और फैसला लिया था, जिसमें कहा गया था कि अगर मतदाता का नाम SIR की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, तो वह फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकता है। चुनाव आयोग ने कहा चाहे 10 साल से वोटर रहे हों, फिर भी फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसको झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा, न ही कोई केस होगा।

माता-पिता की कमाई ...

कोर्ट ने फैसले का पालन करने के लिए आठ हफ्ते का अतिरिक्त समय दे दिया है। यह पूरा विवाद उन कैंडिडेट्स से जुड़ा है, जिनके माता-पिता पब्लिक सेक्टर्स (पीएसयू), बैंक या इसी तरह के संस्थानों में काम करते थे। इन कुछ कैंडिडेट्स ने सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (CAT) में याचिका दायर की थी। वे सिविल सेवा परीक्षा में OBC (नॉन क्रीमी लेयर) का लाभ चाहते थे। ट्रिब्यूनल ने सरकार को आदेश दिया था कि उन्हें उनके OBC श्रेणी के आरक्षण के आधार पर नौकरी दी जाए। केंद्र सरकार ने 1993 का ऑफिस मेमोरेंडम (OM) जारी किया था, जिसमें बताया गया था कि OBC में क्रीमी लेयर कौन होगा। उसमें कहा गया था कि वेतन और कृषि आय को आय सीमा तय करने में शामिल नहीं किया जाएगा। लेकिन 14 अक्टूबर 2004 के स्पष्टीकरण में पीएसयू और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के वेतन-आय को शामिल करने की बात कही गई थी। सरकार ने इस स्पष्टीकरण पत्र का सहारा लेकर कैंडिडेट्स के माता-पिता की सैलरी को आय में जोड़ दिया था। इस वजह से कैंडिडेट्स को आरक्षण का फायदा नहीं मिला था।

बैडमिंटन में ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी, फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारीं

तन्वी ने यूथ ओलंपिक्स में सिल्वर जीता

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स में महिला सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता है। 15 साल की तन्वी इस इवेंट में सिल्वर जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं।

सेनेगल के डकार में गुरुवार को खेले गए फाइनल में तन्वी को चीन की मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन झांग यी शिन ने 21-15, 13-21, 24-26 से हराया। 1 घंटे 22 मिनट चले मुकाबले में तन्वी ने 5 मैच प्वाइंट बचाए और 3 बार गोल्ड जीतने के करीब पहुंचीं।

पहला गेम (21-15): शुरुआत में तन्वी ने लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया। वे एक समय 3-5 से पिछड़ रही थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार 7 पॉइंट जीतकर 10-5 की बढ़त बना ली। पंच टॉस और नेट पर शानदार खेल के दम पर तन्वी ने 25 मिनट में पहला गेम 21-15 से जीत लिया।

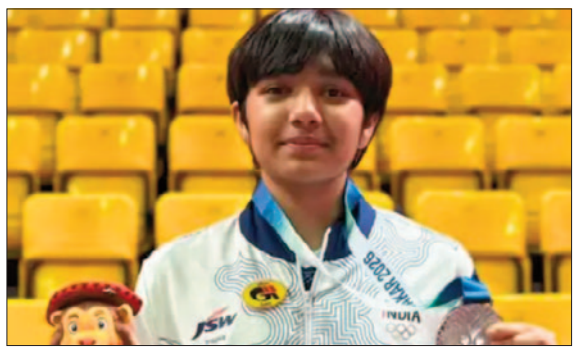

तन्वी जूनियर एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

दूसरा गेम (13-21): तन्वी ने दूसरे गेम की शुरुआत भी अच्छी की और 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, कोर्ट पर हवा के बहाव (ड्रिफ्ट) के कारण उनके शॉट्स पर कंट्रोल प्रभावित हुआ। मिड-गेम इंटरवल के बाद झांग ने खेल पर पकड़ बनाई और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

तीसरा गेम (24-26): निर्णायक गेम में झांग ने क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स से तन्वी को परेशानी में डाला और 19-10 की बढ़त बना ली। इसके बाद तन्वी ने लगातार संघर्ष करते हुए स्कोर का अंतर कम किया। उन्होंने झांग के 5 मैच पॉइंट बचाए और खुद भी 3 बार गोल्ड मेडल जीतने से एक पॉइंट दूर पहुंचीं। हालांकि, झांग ने दबाव में बेहतर खेल दिखाया और 26-24 से गेम जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। गुरुवार को गोल्ड मेडल मैच में तन्वी ने पहले गेम में धीरे शुरुआत की।

यूथ ओलंपिक्स में सिल्वर जीतने वाली तीसरी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी

तन्वी से पहले यूथ ओलंपिक गेम्स के इंडिविजुअल बैडमिंटन इवेंट में दो भारतीय खिलाड़ी सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। एचएस प्रणय ने 2010 में और लक्ष्य सेन ने 2018 में पुरुष सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता था। लक्ष्य सेन ने 2018 में मिक्स्ड टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता था। इस तरह तन्वी यूथ ओलंपिक्स के इंडिविजुअल बैडमिंटन इवेंट में मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय और महिला सिंगल्स में सिल्वर जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

बीएआई ने दी बधाई, कहा- 15 साल की उम्र में सिल्वर जीतना असाधारण उपलब्धि

तन्वी की उपलब्धि पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा,'तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर पूरे देश को गौरवान्वित किया है। महज 15 साल की उम्र में सिल्वर मेडल जीतना असाधारण उपलब्धि है।' उन्होंने आगे कहा, पूरी प्रतियोगिता में उनका जुझारू रवैया, संयम और प्रदर्शन युवा खिलाड़ियों की क्षमता को दिखाता है। यह भारतीय खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

गुरुवार को गोल्ड मेडल मैच में तन्वी ने पहले गेम में धीरे शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने लगातार सात पॉइंट जीते और स्कोर 3-5 से 10-5 कर दिया।

शदमान इस्लाम का टखना मुड़ा स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए

वेस्टइंडीज 356 रन पर ऑलआउट, हसन महमूद को 6 विकेट

नई दिल्ली। बांग्लादेश के ओपनर शदमान इस्लाम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। उनका टखना मुड़ने के बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। इस बीच वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए।

शदमान दूसरे दिन के 78वें ओवर में चोटिल हुए। मेहदी हसन मिराज की गेंद पर अमीर जंगू ने फाइन लेग की ओर शॉट खेला। स्लिप में फील्डिंग कर रहे शदमान गेंद के पीछे दौड़े। उसे उठाने की कोशिश में उनका पैर फिसल गया और गिरते समय टखना मुड़ गया। रीप्ले में आउटफील्ड पर ओस भी दिखाई दी।

शदमान ने पहले टेस्ट में शतक लगाया था। अगर वे इस मैच से बाहर होते हैं, तो बांग्लादेश को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ सकता है।

वेस्टइंडीज की पहली पारी अभी जारी है। पहले दिन वेस्टइंडीज ने 70 ओवर में 4 विकेट पर 235 रन बनाए थे। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा था।

वेस्टइंडीज ने दूसरे दिन 4 विकेट पर 235 रन से आगे खेलना शुरू किया। केविन विकहम ने 61 रन बनाए। उन्होंने जंगू के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की। जंगू ने 212 गेंदों पर 133 रन बनाए। उनकी पारी में 13 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

जस्टिन ग्रीव्स ने 51 रन का योगदान दिया। जोशुआ बिशप ने 23 और जोमेल वॉरिकन ने नाबाद 27 रन बनाए।

माइकल हसी बने ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोचिंग कंसल्टेंट

2027 एशेज-वर्ल्ड कप और 2028 ओलिंपिक की तैयारी कराएंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइकल हसी को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया गया है। वे 2027 में होने वाली एशेज सीरीज और वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम की मदद करेंगे।

इसके अलावा 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम की टी-20 रणनीति तैयार करने में भी उनकी अहम भूमिका होगी।

हसी की नई जिम्मेदारी इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी-20 सीरीज से शुरू होगी। इसके बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ में होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी में भी टीम की मदद करेंगे। इस दौरान वे मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ काम करेंगे।

हसी इससे पहले भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ कुछ समय के लिए बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका निभा चुके हैं। हालांकि, कमेंट्री और अन्य क्रिकेट जिम्मेदारियों के कारण वे लंबे समय तक टीम के साथ नहीं जुड़ पाए थे।

इस साल न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अपने पुराने साथी माइकल हसी को इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, हसी ने यह ऑफर ठुकरा दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ काम करने को प्राथमिकता दी। वे इससे पहले भी पर्थ टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर जुड़ चुके हैं। माइकल हसी की कमेंट्री और दुनिया भर की टी-20 लीग में कोचिंग की जिम्मेदारियों के कारण वे अब तक ऑस्ट्रेलियाई टीम को ज्यादा समय नहीं दे पा रहे थे। वे IPL में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के बैटिंग कोच हैं। इसके अलावा इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में वेल्श फायर के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

कॉन्वे भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

ट्रेनिंग के दौरान सिर में लगी चोट, निक केली को टीम में जगह

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के बीच न्यूजीलैंड को झटका लगा है। टीम के ओपनर डेवोन कॉन्वे सिर की चोट (कन्कशन) के कारण बाकी बचे चारों मुकाबलों से बाहर हो गए हैं।

मंगलवार को पहले वनडे से ठीक पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान उनके सिर में चोट लगी थी। इसके बाद उन्हें ऑकलैंड के मेडिकल सेंटर के इमरजेंसी विभाग में ले जाया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) ने गुरुवार को कॉन्वे के सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की। उनकी जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज निक केली को टीम में शामिल किया गया है।

निक केली के मुख्य वनडे टीम में शामिल होने के बाद ऑकलैंड एसेज के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को न्यूजीलैंड A टीम में जगह दी गई है। फिलिप्स भारत A के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले आखिरी चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैच में खेलेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले वनडे में जीत के बाद भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

निक केल न्यूजीलैंड के लिए 8 वनडे मैच खेल चुके हैं।

डेवोन कॉन्वे का वनडे करियर

मैच	रन	50/100	स्ट्राइक रेट
43	1,692	6/5	87.85

मैट हेनरी को मेडिकल क्लीयरेंस

ट्रेनिंग के दौरान कॉन्वे और तेज गेंदबाज मैट हेनरी आपस में टकरा गए थे। इसके बाद हेनरी की भी कन्कशन जांच की गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, उनकी जांच रिपोर्ट सामान्य रही है और मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। हेनरी अब दूसरे वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

निक केली को पहले ही सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में चुना गया था। अब वे बाकी बचे मैचों के लिए भी उपलब्ध रहेंगे।

कॉन्वे की गैरमौजूदगी में न्यूजीलैंड के टॉप ऑर्डर में उनकी भूमिका अहम हो सकती है।

न्यूजीलैंड के लिए कॉनवे की गैरमौजूदगी टॉप ऑर्डर में बदलाव की चुनौती होगी। वहीं, निक केली को टीम में शामिल करने से बल्लेबाजी के लिए एक नया विकल्प मिला है।

मनोरंजन

रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग पहुंचीं मलाइका, अर्जुन कपूर भी रहे मौजूद, बैकलेस लुक में दिखीं करीना

ऐश्वर्या-अभिषेक हाथों में हाथ थामे दिवाली पार्टी में पहुंचे

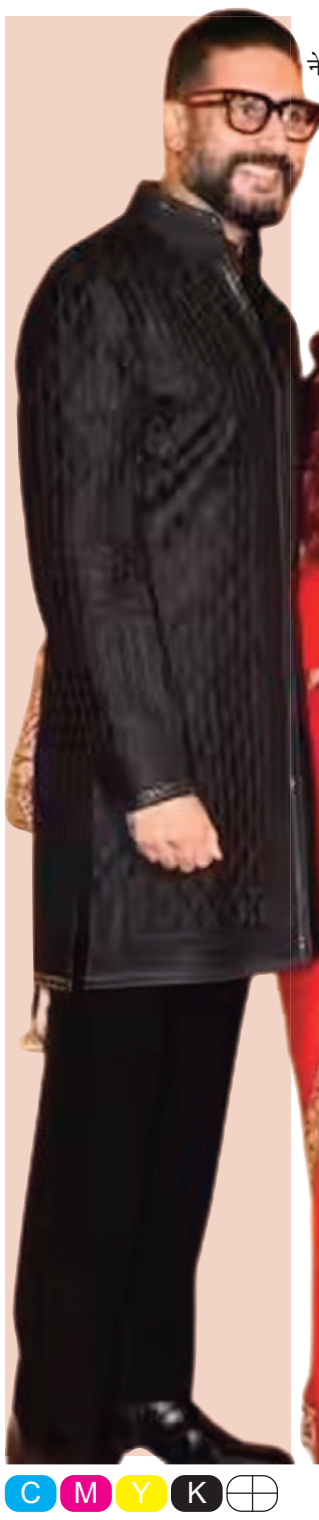

नई दिल्ली। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने गुरुवार रात मुंबई में अपनी सालाना दिवाली पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की।

पार्टी में ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की रोमांटिक केमिस्ट्री ने सभी का ध्यान खींचा। वहीं, मलाइका अरोड़ा अपने कथित बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन हर्ष मेहता के साथ नजर आईं।

इस जश्न में नीता अंबानी, करीना कपूर खान, सैफ अली खान, अक्षय कुमार, कृति सेनन, दिशा पाटनी और करण जौहर जैसी हस्तियां भी शामिल हुईं।

इस पार्टी में माधुरी दीक्षित अपने परिवार के साथ शामिल हुईं। इस दौरान उनके बेटे

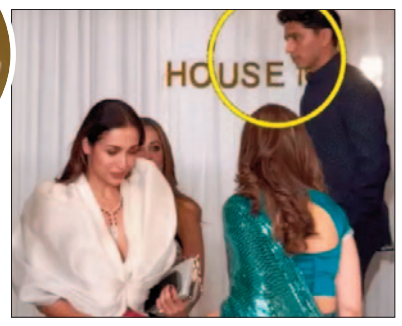

पहली बार अपनी गर्लफ्रेंड के साथ पहुंचे।

पार्टी में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड व बिजनेसमैन हर्ष मेहता के साथ पहुंचीं। मलाइका ने पिंक और व्हाइट कॉम्बिनेशन वाला शिमरी लहंगा पहना था, जिसे उन्होंने डायमंड नेकलेस के साथ स्टाइल किया था।

वहीं, हर्ष भारतीय परिधान में नजर आए और दोनों एक साथ पार्टी में पहुंचे व बाहर निकले। दिलचस्प बात यह रही कि इसी दिवाली पार्टी में मलाइका के पूर्व पार्टनर और अभिनेता अर्जुन कपूर भी मौजूद थे।

हाथों में हाथ डाले नजर आए ऐश्वर्या और अभिषेक

इवेंट में ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने एक साथ एंट्री ली। ऐश्वर्या रेड कलर के ट्रिडीशनल लुक में नजर आईं, जबकि अभिषेक ब्लैक आउटफिट में दिखे। दोनों ने पैपराजी के सामने हाथों में हाथ थामकर पोज दिए। तस्वीरों के लिए पोज देते समय दोनों एक-दूसरे की तरफ देखकर मुस्कुराते और ब्लश करते दिखाई दिए।

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने एक दूसरे का हाथ पकड़ कर पार्टी में एंट्री ली।

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपने पति सैफ अली खान और बहन करिश्मा कपूर के साथ मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचीं। करीना ने गोल्डन सीक्वेंस साड़ी के साथ मैचिंग बैकलेस ब्लाउज पहना था, जिसने उनकी फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के 'पू' किरदार की याद दिला दी। स्मोकी आई मेकअप के साथ उन्होंने अपना लुक पूरा किया।

शूटिंग से अंडर14-16 मैच टले, एमसीए ने मैदान के व्यावसायिक इस्तेमाल पर जताई

रणवीर की 'प्रलय' शूटिंग से आजाद मैदान में बवाल मचा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई है। मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में फिल्म की शूटिंग के लिए मिली अनुमति ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) को नाराज कर दिया है। शूटिंग के चलते मैदान पर होने वाले अंडर-14 और अंडर-16 इंटरस्कूल क्रिकेट मैच टालने पड़े। MCA ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए खेल मैदान के व्यावसायिक इस्तेमाल का विरोध किया है। एसोसिएशन का कहना है कि जिस मैदान पर युवा क्रिकेटर अपना भविष्य संवारते हैं, वहां व्यावसायिक फिल्म शूटिंग को प्राथमिकता देना खेल संस्कृति के लिए ठीक नहीं है।

मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र सरकार के खेल विभाग ने रणवीर सिंह की फिल्म 'प्रलय' के मेकर्स को आजाद मैदान में छह घंटे तक शूटिंग करने की अनुमति दी थी। बताया जा रहा है कि इस मैदान पर पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग के लिए इस तरह की अनुमति दी गई।

इस फैसले के बाद मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने नाराजगी जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि शूटिंग के लिए मैदान का इस्तेमाल होने से वहां पहले से निर्धारित क्रिकेट गतिविधियां प्रभावित हुईं।

फिल्म की शूटिंग के लिए आजाद मैदान में बड़े-बड़े सेट तैयार किए गए थे। इसके अलावा शूटिंग की जरूरत के मुताबिक आर्टिफिशियल घास भी बिछाई गई थी। मैदान पर इस तरह की तैयारियों के चलते क्रिकेट मैचों के आयोजन में परेशानी हुई। खासतौर पर अंडर-14 और अंडर-16 के इंटरस्कूल क्रिकेट मैच प्रभावित हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, इन मुकाबलों को आगे के लिए टालना पड़ा।

इस मामले पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने अपनी नाराजगी जाहिर की है।

मुंबई मिरर से बातचीत में उन्होंने कहा कि आजाद मैदान में पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग हुई है। इसके लिए बड़े सेट लगाए गए और आर्टिफिशियल घास बिछाई गई।

उन्होंने कहा, यह फिल्म शूटिंग की जगह नहीं है, बल्कि क्रिकेट का मैदान है। यहां खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारते हैं।

नदीम मेमन के मुताबिक, शूटिंग की वजह से एसोसिएशन के चल रहे टूर्नामेंट प्रभावित हुए।

आजाद मैदान में पहली बार हुई फिल्म की शूटिंग

मुंबई का आजाद मैदान लंबे समय से क्रिकेट गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं। इसके अलावा मैदान पर स्थानीय और इंटरस्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट भी आयोजित किए जाते हैं।

एमसीए का कहना है कि मैदान का इस्तेमाल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट की ट्रेनिंग देने और प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए होता है। ऐसे में किसी कमर्शियल फिल्म की शूटिंग के लिए मैदान की बुकिंग करना खेल गतिविधियों के हित में नहीं है।

कहा- ये पूरी हुई तभी बातचीत करेंगे, होर्मुज खोलने से भी इनकार, अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी

ईरान ने अमेरिका को 7 शर्तों वाला नया प्रस्ताव भेजा

कारोबार

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध खत्म कराने की कोशिशों के बीच ईरान ने अमेरिका को नया परमाणु प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव कतर के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपनी 7 शर्तें पूरी होने के बाद ही परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करेगा और होर्मुज खोलेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका

इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। हालांकि, उन्होंने प्रस्ताव में शामिल शर्तों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। ईरान चाहता है कि अमेरिका उस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध खत्म करे। इन प्रतिबंधों की वजह से ईरान के लिए दूसरे देशों के साथ कारोबार करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचना मुश्किल होता है।

ईरान की मांग है कि दूसरे देशों के बैंकों में जमा उसकी रोकी गई संपत्ति वापस की जाए। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान की बड़ी रकम विदेशों में फंसी हुई है। ईरान चाहता है कि अमेरिका युद्ध के दौरान उसके ठिकानों, बुनियादी ढांचे और दूसरी संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई करे। इसके लिए मुआवजा देने की मांग भी उसकी शर्तों में शामिल बताई जा रही है।

ईरान के बंदरगाहों और समुद्री कारोबार पर अमेरिका की ओर से लगाई गई रोक हटाई जाए। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के लिए समुद्र के रास्ते सामान भेजना और मंगाना मुश्किल हो रहा है।

ईरान चाहता है कि उसके तेल कारोबार पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। इससे वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में दूसरे देशों को अपना तेल बेच सकेगा और उसकी कमाई बढ़ेगी। ईरान चाहता है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करे। उसकी मांग है कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सैनिकों की तैनाती घटाई जाए।

कतर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बना

अमेरिका और ईरान के बीच सीधे बातचीत के रास्ते बंद होने के कारण कतर जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस बार भी ईरान ने अपना प्रस्ताव कतर के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया है।

कतर पहले भी दोनों देशों के बीच बातचीत कराने और तनाव कम करने की कोशिशों में शामिल रहा है। ऐसे में उसकी भूमिका इस बार भी अहम हो सकती है।

फिलहाल अमेरिका की ओर से प्रस्ताव स्वीकार किए जाने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी समीक्षा के बाद ही पता चलेगा कि दोनों देश बातचीत की दिशा में आगे बढ़ते हैं या शर्तों को लेकर तनाव बना रहता है।

परमाणु मुद्दे पर क्यों फंसी है बातचीत?

अमेरिका और ईरान के बीच सबसे बड़ा विवाद परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करे और यह सुनिश्चित करे कि वह परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे नहीं बढ़ेगा।

दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि परमाणु मुद्दे पर बातचीत से पहले अमेरिका को उसके खिलाफ लगाए गए प्रतिबंध और दूसरी पाबंदियां हटानी होंगी।

यानी दोनों देश बातचीत तो करना चाहते हैं, लेकिन शुरुआत कहां से हो, इस पर सहमत नहीं हैं। अमेरिका पहले परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि ईरान पहले आर्थिक और सैन्य पाबंदियां हटवाना चाहता है।

अमेरिका-ईरान के बीच सबसे बड़े मतभेद

मुद्दा	अमेरिका का रुख	ईरान का रुख
परमाणु कार्यक्रम	पहले रोक और सख्त निगरानी	पहले अमेरिकी मांगें पूरी हों
आर्थिक प्रतिबंध	परमाणु समझौते के बदले राहत	पहले प्रतिबंध हटें
यूरेनियम भंडार	देश से बाहर भेजा जाए	इसे लेकर सहमति नहीं
होर्मुज स्ट्रेट	समुद्री रास्ता खुला रहे	अमेरिकी नाकेबंदी हटने पर खोलेगा
सैन्य मौजूदगी	क्षेत्र में अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था जारी रहे	अमेरिकी सेना की मौजूदगी घटे
क्षेत्रीय संगठन	ईरान इनकी मदद बंद करे	इसे अपनी क्षेत्रीय नीति का हिस्सा मानता है

फास्ट न्यूज

मेटा ने कर्मचारियों से नौकरी छोड़ने को कहा

नई दिल्ली। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब फेसबुक और इंस्टाग्राम चलाने वाली कंपनी मेटा भी अपने खर्चे घटाने और कर्मचारियों की संख्या कम करने में जुट गई है। फ्रांसीसी मीडिया ला लेत्रे की रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा ने फ्रांस में काम करने वाले कर्मचारियों को वॉलंटरी एग्जिट यानी अपनी मर्जी से नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया है।

टाइटन का मुनाफा दूसरी तिमाही में 54% बढ़कर 1,722 करोड़

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन ने 2026-27 की दूसरी तिमाही के नतीजे आज 5 नवंबर को जारी कर दिए हैं। सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 54% बढ़कर 1,722 करोड़ रुपए रहा।

पिछले साल इसी तिमाही यानी Q2FY26 में कंपनी को 1,120 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ था। ज्वेलरी, प्रीमियम घड़ियों और आईवियर की मजबूत डिमांड की वजह से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है।

नतीजों से पहले आज टाइटम का शेयर करीब डेढ़ परसेंट चढ़कर 4834 रुपए पर बंद हुआ।

स्मार्टफोन में बिना मोबाइल टावर के नेटवर्क मिलेगा

नई दिल्ली। अब पहाड़ों, जंगलों या दूर-दराज के इलाकों में मोबाइल टावर न होने पर भी आपके फोन में नेटवर्क गायब नहीं होगा। भारत की टेलीकॉम संस्था 'ट्राई' ने ऐसे नए नियम बनाने की सिफारिश की है, जिससे आपका स्मार्टफोन सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट से जुड़ सकेगा। इस नई व्यवस्था में टेलीकॉम कंपनियों जैसे जियो या एयरटेल को खुद का महंगा सैटेलाइट सिस्टम लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

खून को 110 डिग्री सेल्सियस तक खौलाने की साजिश

फ्रांस में सरकारी ब्लड बैंक का कूलिंग सिस्टम हैक

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में हैकर्स ने 1 नवंबर की रात ब्लड बैंक के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम पर हमला किया। हमलावरों ने फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस तक करने की कोशिश की। हालांकि, अलार्म सिस्टम ने समय रहते गड़बड़ी पकड़ ली। इससे खून और प्लाज्मा के नमूनों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

फ्रांस के साप्ताहिक अखबार 'ले कनार आंचेने' ने बुधवार को सबसे पहले इस साइबर हमले की खबर दी थी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक ब्लड स्टोरेज सिस्टम में प्रवेश के लिए डिफॉल्ट पासवर्ड का इस्तेमाल किया गया था। फ्रीजर का तापमान नियंत्रित करने के लिए दुकानों और

कोल्ड स्टोरेज सेंटर में खास इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर लगे होते हैं। इनकी मदद से तापमान की निगरानी और उसे दूर से नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ सिस्टम इंटरनेट से जुड़े होते हैं, ताकि उपकरण उपलब्ध कराने वाली कंपनी या तकनीकी कर्मचारी कहीं से भी उनकी जांच और मरम्मत कर सकें।

फ्रांस की सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी CERT-FR ने 12 अक्टूबर को ही रेफ्रिजरेशन कंट्रोलर पर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी।

प्लाजमा को सुरक्षित जगह भेजा गया

फ्रांस के ब्लड बैंक का संचालन करने वाली संस्था फ्रेंच ब्लड एस्टैब्लिशमेंट (EFS) के मुताबिक फ्रीजर में रखे प्लाज्मा को सुरक्षित दूसरी जगह भेज दिया गया है। EFS ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज में लगे निगरानी और अलार्म सिस्टम ने तापमान में असामान्य बदलाव को तुरंत पकड़ लिया। इससे कर्मचारियों को समय रहते कार्रवाई करने का मौका मिल गया। EFS फ्रांस की सरकारी रक्त सेवा है। यह देश के 1,900 से ज्यादा अस्पतालों के लिए खून, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स इकट्ठा करने, उनकी जांच करने, उन्हें तैयार करने और अस्पतालों तक पहुंचाने का काम करती है।

पाकिस्तान पायलट्स को उड़ाना सिखाएगा, भारत की सीमा से 40 किमी दूर होगी ट्रेनिंग

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा

ढाका , एजेंसी

चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी।

इसके लिए पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं।

पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश

की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्राउंड क्रू के लिए भी अलग कोर्स चलाए जाएंगे। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच सदस्यों की एक टीम ढाका पहुंच चुकी है। इस टीम ने वहां के एयरबेस और दूसरी जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी ट्रेनिंग और सिम्युलेटर के लेन-देन की योजना भी तैयार की।

बांग्लादेश के रडार से चीन को मदद मिल सकती है

चीन की वायुसेना के साथ उसकी तकनीकी टीमें और डेटा लिंक सिस्टम भी काम करते हैं। ऐसे में आशंका है कि भविष्य में LAC पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने पर बांग्लादेश के रडार से मिलने वाली जानकारी चीन के सैन्य नेटवर्क तक पहुंच सकती है। चीन की सेना टैक्टिकल डेटा लिंक (TDL) तकनीक का इस्तेमाल करती है। इसके जरिए फाइटर जेट और जमीन पर मौजूद सैन्य कमान एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। वे रडार से मिली तस्वीरें और दुश्मन के ठिकानों की जानकारी आपस में साझा कर सकते हैं।

रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक, चीन ने एक्सएस-3 नाम का हाई-बैंडविड्थ ब्रॉडबैंड लिंक भी तैयार किया है।

वजह- पाकिस्तानी सेना के खिलाफ ऑपरेशन नाकाम आत्मघाती महिलाओं के इस्तेमाल से संगठन नाराज

बलूच आर्मी ने सबसे खूंखार कमांडर को निकाला

क्वेटा, एजेंसी

बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) के कमांडर-इन-चीफ बशीर जेब को पद से हटा दिया गया है। BLA के प्रवक्ता जियान्द बलोच ने इसकी पुष्टि की है।

बशीर जेब ने पाकिस्तान में कई बड़े हमलों की साजिश रचकर पहचान बनाई थी। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना, सुरक्षा बलों, सरकारी ढांचे और चीन के हितों को निशाना बनाया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नाकाम ऑपरेशन और महिला आत्मघाती हमलावरों के इस्तेमाल को लेकर संगठन में उनके खिलाफ नाराजगी बढ़ रही थी।

BLA ने 3 नवंबर को प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि बशीर जेब अब संगठन के कमांडर-इन-चीफ नहीं रहेंगे। यह बयान

बलूचिस्तान में हथियारबंद लड़ाकों के साथ बशीर जेब के वीडियो वायरल हुए तो उनकी तुलना फिल्म 'धुरंधर' के किरदार हमजा अली मजारी से होने लगी। (फोटो AI से इन्हांस की गई है।)

बलूचिस्तान पोस्ट में प्रकाशित हुआ था।

संगठन ने कहा कि बशीर जेब के पास मौजूद सभी प्रशासनिक, सैन्य और नीतिगत फैसले लेने के अधिकार अब सीनियर कमांड काउंसिल को सौंप दिए गए हैं। नया कमांडर नियुक्त होने तक संगठन के सभी बड़े फैसले यही परिषद लेगी।

बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बशीर जेब को हटाने का फैसला 16 अक्टूबर को हुई BLA की शीर्ष समितियों की बैठक में लिया गया था। बैठक में शामिल कमांडरों ने सर्वसम्मति से नेतृत्व में बदलाव को

हटाने की वजह और बशीर जेब का ठिकाना साफ नहीं

BLA ने बशीर जेब को पद से हटाने के पीछे कोई खास वजह नहीं बताई है। संगठन ने सिर्फ इतना कहा कि यह फैसला उसके 2018 में बनाए गए संवैधानिक नियमों के तहत लिया गया है। इन नियमों के मुताबिक, कोई भी कमांडर जीवनभर संगठन के शीर्ष पद पर नहीं रह सकता।

वहीं, बशीर जेब के मौजूदा ठिकाने के बारे में भी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यह स्पष्ट नहीं है कि वे अभी आजाद हैं, हिरासत में हैं या कहीं और चले गए हैं। उनके घायल होने या किसी दूसरी जगह इलाज कराने की खबरों की भी पुष्टि नहीं हुई है।

> बीएलए ने इस बदलाव को संगठन के नियमों के मुताबिक शांतिपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन बताया। संगठन का दावा है कि बशीर जेब को हटाने के फैसले से न तो संगठन में कोई बंटवारा हुआ और न ही कमांडरों के बीच टकराव की स्थिति बनी।

नवंबर 2018: BLA के लड़ाकों ने चीनी वाणिज्य दूतावास पर हमला किया। इसमें 2 पुलिसकर्मियों समेत 4 लोग मारे गए। तीनों हमलावर भी मारे गए।

मंजूरी दी थी। चीनी वाणिज्य दूतावास, कराची-

वीडियोकॉन के पूर्व प्रमोटर वेणुगोपाल धूत बैंकरप्ट घोषित

एनसीएलटी ने एसबीआई की याचिका पर जारी किया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) की मुंबई बेंच ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रमोटर और डायरेक्टर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को बैंकरप्ट घोषित कर दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल ने यह आदेश जारी किया है।

यह कदम धूत की पर्सनल इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस और रीपेमेंट प्लान के असफल होने के बाद उठाया गया है। विनय गोयल और चरणजीत सिंह गुलाटी की बेंच ने इंसोल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (IBC) के तहत 5 नवंबर को यह बैंक्रप्सी आदेश पारित किया।

NCLT ने नोट किया कि SBI ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड (VIL) की बैंक से ली गई क्रेडिट सुविधाओं के लिए धूत के पर्सनल

गारंटर होने के नाते उनके खिलाफ बैंक्रप्सी कार्यवाही शुरू की थी।

धूत ने कंपनी को दी गई कई क्रेडिट सुविधाओं जैसे- रुपया टर्म लोन, वीडियोकॉन टेलीकम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़ी सुविधाएं और वर्किंग कैपिटल लोन के लिए पर्सनल गारंटी दी थी। बैंक ने फरवरी 2018 में इन गारंटियों को इनवोक किया गया था।

वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज को जून 2018 में कॉर्पोरेट इनसोल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस में शामिल किया गया था। बाद में इस कार्यवाही को वीडियोकॉन ग्रुप की अन्य कंपनियों के साथ जोड़ दिया गया था।

गोलीबारी : मशीनगन और ड्रोन से प्रदर्शनकारियों पर हमला किया मरने वालों में बच्चे भी शामिल

पीओके में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग, सात की मौत

रावलकोट, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने फायरिंग की है।

इसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया। घटना को लेकर अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। PoK में 7 जून से शुरू

हुआ विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को 7 लोगों की मौत के बाद इस आंदोलन में जान गंवाने वालों की कुल संख्या 153 हो गई है।

आंदोलन की शुरुआत स्थानीय लोगों के राजनीतिक अधिकारों और आर्थिक समस्याओं को लेकर हुई थी। अब प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की वापसी और अपने नेताओं पर दर्ज मामलों को खत्म करने की मांग भी कर रहे हैं। PoK विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें से 12 सीटें पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीर मूल के लोगों के लिए

पीओके के मंगला डैम से बड़ी मात्रा में बिजली बनाई जाती है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें बिजली महंगे दामों पर मिलती है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि डैम से बनने वाली बिजली स्थानीय लोगों को कम कीमत पर दी जाए।

आरक्षित हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन सीटों के जरिए पाकिस्तान की सरकार PoK की राजनीति में दखल देती है। उनका कहना है कि इन सीटों पर स्थानीय लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं होता।

7 जून को PoK के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह विवाद और बढ़ गया। अदालत ने कहा था कि इन सीटों को संवैधानिक बदलाव के बिना खत्म नहीं किया जा सकता।

PoK में महंगाई, महंगा आटा और दूसरी जरूरी

तीन जगहों पर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने का आरोप

UKPNP के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मटियाल-मेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट की दूसरी जगहों पर चल रहे धरनों पर कार्रवाई की। पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए। इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया।

चीजों की बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि बिजली के साथ आटे पर भी सब्सिडी दी जाए, ताकि आम परिवारों को राहत मिल सके।

प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आंदोलन को दबाने के लिए तैनात पाकिस्तानी रेंजर्स और सेना को वापस बुलाया जाए।

धनतेरस पर सोना-चांदी सस्ता सोना 3 हजार घटकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

धनतेरस पर आज सोना-चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 3,106 रुपए घटकर करीब 1.41 लाख रुपए पर आ गए हैं।

एक किलो चांदी 5,437 रुपए सस्ती होकर 1.81 लाख रुपए पर आ गई है। इससे एक दिन पहले सोना 1.44 लाख और चांदी 1.87 लाख रुपए पर थी। चांदी इस साल चांदी 49 हजार रुपए सस्ती हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के

आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 8 हजार रुपए महंगा हुआ है। वहीं, चांदी 49 हजार रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए था, जो अब 1.41 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो 1.81 लाख रुपए हो गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676